

शिक्षक बनना सौभाग्य, बच्चों के भविष्य से समझौता नहीं होगा

स्कूलों की गुणवत्ता पर कलेक्टर सख्त, समय पर खुलेंगे विद्यालय, हर दो माह में होगी मॉनिटरिंग, शिक्षा व्यवस्था में लापरवाही पर रहेगा प्रशासन का फोकस

जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

श्योपुर। जिले में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने के लिए कलेक्टर शोला दाहिमा ने अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया है कि शिक्षा केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि 'शिक्षक बनना सौभाग्य की बात है, क्योंकि एक शिक्षक केवल पढ़ाता नहीं बल्कि पूरे जीवन के लिए बच्चों का व्यक्तित्व गढ़ता है।' इसलिए प्रत्येक शिक्षक अपने आचरण, अनुशासन और कार्यशैली से विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनें।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला परियोजना प्रबंधन इकाई (डीपीएमयू) की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि स्कूल समय पर खुलें, विद्यालयों में साफ-सफाई बेहतरे रहे, बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और अकादमिक वातावरण हर हाल में सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में प्रभारी सीईओ जिला पंचायत एवं एसडीएम मंगन सिंह मीणा, डिप्टी कलेक्टर पवन धुपुया, डायट प्रचारार्थ राववेन्द्र सिक्कारवार, डीपीसी भूपेन्द्र शर्मा सहित श्योपुर, कलाहल एवं विजयपुर के बीआरसी, बीएससी और सीएससी अधिकारी उपस्थित रहे।



शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना ही बीएससी-सीएससी की असली जिम्मेदारी कलेक्टर ने कहा कि बीएससी और सीएससी मुख्य कार्य केवल कागजी निरीक्षण करना नहीं, बल्कि विद्यालयों में जाकर शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाना, बच्चों से संवाद करना और पढ़ाई की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन करना है। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी अधिक से अधिक विद्यालयों का भ्रमण करें और शिक्षण व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित करें।

972 स्कूलों की होगी नियमित मॉनिटरिंग (Foundational Literacy and Numeracy)

गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के 972 प्राथमिक विद्यालयों में प्रत्येक सीएससी हर दो माह में कम से कम एक बार अनिवार्य रूप से निरीक्षण करें। साथ ही 31 जुलाई तक एनएलएन मॉनिटरिंग एप पर सभी बीएससी एवं सीएससी अपनी मॉनिटरिंग पूर्ण करें।

यू-डाइम, अपार आईडी और नामांकन पर सख्त निर्देश
बैठक में विभिन्न शैक्षणिक पोर्टलों की समीक्षा भी की गई।

यू-डाइम पोर्टल पर वर्तमान फीजिंग 88.57 प्रतिशत पाई गई, जिसे जुलाई अंत तक 100 प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए गए।

अपार आईडी निर्माण की प्रगति 61.41 प्रतिशत होने पर नगराजगी व्यक्त करते हुए एक सप्ताह के भीतर शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने और इसकी प्रतिदिन समीक्षा करने के निर्देश दिए।

नामांकन प्रतिशत 93.41 पाए जाने पर शेष बच्चों का भी तत्काल नामांकन सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए।
विद्यालयों में अनुशासन और प्रेरणादायी वातावरण पर जोर

कलेक्टर ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में ऐसा वातावरण तैयार किया जाए, जिससे बच्चे नियमित रूप से स्कूल आने के लिए प्रेरित हों। शिक्षक अपने व्यवहार, अनुशासन और कार्य संस्कृति से विद्यार्थियों के आदर्श बनें। शिक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

साक्षरता अभियान की भी समीक्षा
बैठक में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की प्रगति की भी समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए गए।

जिले में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए प्रशासन अब केवल आंकड़ों पर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर विद्यालयों की वास्तविक स्थिति, बच्चों की सीखने की क्षमता और शिक्षण व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग पर विशेष फोकस करेगा।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत मुरैना में 1500 से अधिक लोगों ने बनाई मानव श्रृंखला

जन-जागरूकता रैली, वृक्षारोपण एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान

मुरैना (निज संवाददाता)। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार संचालित राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' के अंतर्गत गुरुवार को पुलिस परेड ग्राउंड, मुरैना में वृहद मानव श्रृंखला, जन-जागरूकता रैली, वृक्षारोपण तथा पुस्तकार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए जनसहभागिता को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम में चंचल संभांग के आयुक्त श्री सुरेश कुमार तथा पुलिस उप महानिरीक्षक, चंचल रेंज श्री सुनील कुमार जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। रैली के उपरांत दोनों अधिकारियों ने पुलिस परेड ग्राउंड परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जागिड़, पुलिस अधीक्षक श्री धर्मराज मीणा, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी गुप कैप्टन एच.आर. पांडे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कमलेश कुमार भार्गव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सुरेन्द्र पाल सिंह डावर, नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती दीपाली चंदेरीश, रक्षित निरीक्षक श्री



रक्षिकांत शुक्ला सहित जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अभियान के अंतर्गत आयोजित मानव श्रृंखला में विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, एनसीसी कैडेट्स, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, होमगार्ड, पांचवीं वार्डिनी विशेष सशस्त्र बल, ऑनरेरी कैप्टन दीवान सिंह चौहान के साथ पूर्व सैनिक तथा जिला पुलिस बल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित 1500 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सभी ने मानव श्रृंखला बनाकर नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया तथा स्वयं नशे से दूर रहने के साथ समाज को भी जागरूक करने का संदेश दिया।

अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर जन-जागरूकता रैली को खाना किया। रैली पुलिस परेड ग्राउंड में प्रारंभ होकर एम.एस. रोड एवं राधिका पैलेस मार्ग से होते हुए पुनः पुलिस परेड ग्राउंड पहुंचकर संपन्न हुई। रैली

में प्रतिभागियों ने हाथों में जन-जागरूकता संबंधी तख्तियां एवं बैनर लेकर 'नशे से दूरी है जरूरी', 'नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो' तथा 'स्वस्थ युवा, सशक्त भारत' जैसे प्रेरक नारों के माध्यम से आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम के दौरान अभियान के अंतर्गत आयोजित निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही अधिकारियों ने विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों से नशामुक्त जीवन शैली अपनाने तथा समाज में जागरूकता फैलाने की अपील करते हुए कहा कि नशे के विरुद्ध जनआंदोलन ही एक स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त समाज के निर्माण का प्रभावी माध्यम है।

कार्यक्रम के अंत में रैली में शामिल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मुरैना पुलिस द्वारा अभियान की विशेष टी-शर्ट एवं कैप वितरित की गई।

9 साल बाद फिर विवादों में आंगनबाड़ी भर्ती! नई नियुक्ति पर उठे सवाल, दस्तावेजों की जांच तक कार्यभार रोकने की मांग

जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

श्योपुर। नगर परिषद बड़ौदा के वार्ड क्रमांक-8 की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भर्ती एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गई है। करीब 9 वर्षों तक कार्यरत रही हेमलता आर्य को पद से हटाए जाने के बाद नियुक्त की गई कृष्णा शर्मा की पात्रता और भर्ती प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। मामले में जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ), महिला एवं बाल विकास विभाग को लिखित आवेदन देकर नई नियुक्ति के समय प्रस्तुत दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच कराए जाने तथा जांच पूरी होने तक उनके कार्यभार पर रोक लगाने की मांग की गई है।

आवेदन में कहा गया है कि वार्ड क्रमांक-8 का यह आंगनबाड़ी केंद्र पहले भी विवादों में रहा है। आरोप है कि लगभग नौ वर्षों से सेवाएं दे रही कार्यकर्ता को बिना क्रमांकित प्रक्रिया और पर्याप्त अवसर दिए पद से हटाकर नई नियुक्ति कर दी गई।

2016 की भर्ती प्रक्रिया की जांच की मांग
शिकायत में मांग की गई है कि 2016 की भर्ती प्रक्रिया के दौरान कृष्णा शर्मा द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी दस्तावेजों—जैसे निवास प्रमाण-पत्र, मरदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड, समग्र परिवार आईडी एवं अन्य अभिलेखों—का विभागीय रिकॉर्ड के आधार पर पुनर्मूल्यांकन किया जाए। यह भी जांच की जाए कि नियुक्ति के समय वे वास्तव में वार्ड क्रमांक-8 की पात्र निवासी थीं या नहीं तथा उनके दस्तावेज तत्कालीन नियमों के अनुरूप थे या नहीं।



जांच पूरी होने तक कार्यभार रोकने की मांग

आवेदक ने मांग की है कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती और अंतिम निर्णय नहीं आ जाता, तब तक कृष्णा शर्मा का कार्यभार रोकें जाए तथा आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन अस्थायी रूप से सहायिका के माध्यम से कराया जाए, ताकि हितग्राहियों को मिलने वाली सेवाएं प्रभावित न हों।

अनियमितता मिलने पर कार्रवाई की मांग

आवेदन में यह भी कहा गया है कि यदि जांच में दस्तावेजों या पात्रता से संबंधित किसी प्रकार की अनियमितता अथवा तथ्य छिपाकर नियुक्ति प्राप्त करने की बात सामने आती है, तो संबंधित के विरुद्ध विभागीय एवं वैधानिक कार्रवाई की जाए।

इस मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, ये आरोप शिक्षापतकता द्वारा लगाए गए हैं। इनकी आधिकारिक पुष्टि या विभागीय जांच का अंतिम निष्कर्ष अभी सामने आना बाकी है। अब निगाहें महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्रवाई पर टिकी हैं कि शिकायत पर क्या निर्णय लिया जाता है।

भोपाल में अटकी फाइल, श्योपुर को अब तक नहीं मिली पासपोर्ट सुविधा; BSNL नेटवर्क ठप होने से कराहल के ग्रामीण परेशान

भाजपा नगर अध्यक्ष संजय मंगल ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया लिखा पत्र, कहा—जनहित के दोनों महत्वपूर्ण कार्यों में अब और देरी नहीं होनी चाहिए

जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता



कि संबंधित अधिकारियों को निर्देश देकर लॉबित प्रक्रिया शीघ्र पूरी कराई जाए, ताकि जिले को बहुवृत्तीकृत सुविधा मिल सके।

उन्होंने कहा कि यदि यह केंद्र शुरू हो जाता है तो श्योपुर जिले के हजारों नागरिकों को पासपोर्ट बनवाने और डाक विभाग की आधुनिक सेवाओं के लिए खालियर, मुरैना या अन्य शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इससे आम नागरिकों का समय, धन और अनावश्यक भागदौड़ बचेगी, वहीं विद्यार्थियों, नौकरीपेशा युवाओं, व्यवसायियों और विदेश जाने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

कराहल में ऋह्रटटार बनें शोपिंग, नेटवर्क नहीं मिलने से ग्रामीणों में नाराजगी

संजय मंगल ने अपने पत्र में कराहल आदिवासी विकासखंड और आसपास के वन क्षेत्रों में स्थापित ऋह्रट टावरों की खराब स्थिति का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये खर्च कर लगाए गए कई टावर अपेक्षित नेटवर्क सेवा नहीं दे पा रहे हैं, जिससे दूरस्थ गांवों के लोगों को आज भी मोबाइल नेटवर्क के

लिए भटकना पड़ता है।

उन्होंने बताया कि कमजोर संचार व्यवस्था के कारण ग्रामीणों को ऑनलाइन सेवाओं, बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाई होती है। आपातकालीन परिस्थितियों में भी लोगों का संपर्क टूट जाता है, जिससे गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

कृनो आने वाले पर्यटक भी हो रहे परेशान

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि कराहल क्षेत्र कृनो राष्ट्रीय उद्यान से जुड़ा हुआ है, जहां देश-विदेशों से बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। खराब मोबाइल नेटवर्क के कारण पर्यटकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है। साथ ही वन क्षेत्रों में किसी दुर्घटना, वन्यजीव गतिविधि या अन्य आपात स्थिति में संचार व्यवस्था बाधित होना सुरक्षा की दृष्टि से भी चिंता का विषय है।

शीघ्र कार्रवाई की मांग

भाजपा नगर अध्यक्ष ने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया है कि श्योपुर जिले के व्यापक जनहित को देखते हुए पासपोर्ट नागरिक सुविधा केंद्र के निर्माण की लॉबित प्रक्रिया तत्काल पूरी कराई जाए तथा कराहल एवं आसपास के सभी ऋह्रट टावरों को शीघ्र पूर्ण क्षमता से संचालित करने के निर्देश दिए जाएं, ताकि जिले के लोगों को आधुनिक संचार और नागरिक सुविधाओं का लाभ मिल सके।

उन्होंने विस्वास जताया कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के हस्तक्षेप से दोनों महत्वपूर्ण जनहित के कार्यों को गति मिलेगी और लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान हो सकेगा।

श्योपुर में नवागत एसपी का बड़ा एवशन प्लान

नशा, जुआ-सट्टा और अपराधियों की अब खैर नहीं, पहली बैठक में पुलिस अधिकारियों को सख्त चेतावनी



जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

श्योपुर। जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद ही साफ कर दिया है कि अब श्योपुर में अपराध, नशे का कारोबार, जुआ-सट्टा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के लिए कोई जगह नहीं होगी। पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित अपनी पहली उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में उन्होंने जिले के सभी एसडीओपी, थाना एवं चौकी प्रभारियों को स्पष्ट और दो टूक शब्दों में निर्देश दिए कि अवैध गतिविधियों के खिलाफ जोरो टॉलरेंस नीति अपनाने हुए सख्त और प्रभावी कार्रवाई की जाए।

बैठक के दौरान एसपी ने कहा कि जिले में अवैध शराब, मादक पदार्थों की तस्करी और नशे के कारोबार पर पूरी तरह शिकंसा कसना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे अपराधियों की केवल गिरफ्तारी ही नहीं, बल्कि उनके पूरे नेटवर्क की पहचान कर उसे ध्वस्त किया जाए। किसी भी थाना क्षेत्र में यदि अवैध नशे का कारोबार संचालित पाया गया तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाएगी।

गुंडे-बदमाशों पर रहेगी 24 घंटे नजर, हिस्ट्रीशीटरों की होगी लगातार चेकिंग

एसपी मोती उर रहमान ने साफ शब्दों में कहा कि जिले के गुंडे, बदमाश, हिस्ट्रीशीटर और गिरफ्तारीशुदा अपराधियों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उनके आवागमन, गतिविधियों और आपराधिक नेटवर्क पर पैनी नजर रखी जाए ताकि किसी भी बड़ी वारदात को पहले ही रोका जा सके।

उन्होंने निर्देश दिए कि अपराधियों में पुलिस का भय और आम नागरिक में सुरक्षा का विश्वास दिखाई देना चाहिए। पुलिस की सक्रियता केवल कागजों तक सीमित नहीं बल्कि सड़क पर भी नजर आनी चाहिए। जुआ-सट्टा और अवैध कारोबार पर चलेगा विशेष अभियान

बैठक में एसपी ने कहा कि जिले में संचालित जुआ, सट्टा और अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाए। सूचना तंत्र को मजबूत कर ऐसे अड्डों पर लगातार कार्रवाई की जाए ताकि अपराधियों को किसी प्रकार की राहत न मिल सके।

उन्होंने कहा कि यदि किसी क्षेत्र में अवैध कारोबार की शिकायत मिलती है तो संबंधित थाना प्रभारी तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें और परिणाम भी

दिखाई दें।

रात में बड़ेगी पुलिस गश्त, चोरी की घटनाओं पर लगाए अंकुश

जिले में बड़ौती चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि रात्रिकालीन गश्त को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार पेट्रोलिंग हो तथा संदिग्ध व्यक्तियों की नियमित जांच की जाए।

उन्होंने कहा कि पुलिस की सक्रिय मौजूदगी ही अपराधियों के मन में भय पैदा करती है, इसलिए गश्त और चेकिंग में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

नशे में वाहन चलाने वालों पर भी होगी सख्ती एसपी ने सड़क सुरक्षा को लेकर भी कड़ा रुख अपनाने हुए निर्देश दिए कि शराब या अन्य नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर चालानी कार्रवाई की जाए। इससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी और आमजन की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

पहली बैठक से ही दिया सख्त संदेश

पदभार संभालने के बाद आयोजित इस पहली समीक्षा बैठक को पुलिस महकमे में अनुशासन और जवाबदेही का स्पष्ट संदेश माना जा रहा है। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार भूरिया, जिले के सभी एसडीओपी, थाना एवं चौकी प्रभारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

अब निगाहें कार्रवाई पर

नवागत पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान की पहली बैठक ने यह संकेत जरूर दे दिया है कि श्योपुर ताकि अपराधियों को किसी प्रकार की राहत न मिल सके। उन्होंने कहा कि यदि किसी क्षेत्र में अवैध कारोबार की शिकायत मिलती है तो संबंधित थाना प्रभारी तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें और परिणाम भी

असंगठित श्रमिकों के लिए सुनहरा अवसर

₹. 3,000 मासिक पेंशन दिलाने श्योपुर में लग रहे विशेष शिविर, 24 और 25 जुलाई को भी होगा पंजीयन

जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

श्योपुर। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को बुझापे में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत श्योपुर नगर में विशेष पंजीयन अभियान चलाया जा रहा है। नगरपालिका द्वारा विभिन्न वार्डों में शिविर लगाकर पात्र श्रमिकों का पंजीयन किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ उठा सकें।

किसी क्रम में 23 जुलाई को फनकड़ चौराहा पर विशेष शिविर आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में श्रमिकों ने योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। शिविर में पार्षद जुगल मेहरा एवं वरिष्ठ पार्षद बंटी आर्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे और लोगों को योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

60 वर्ष की आयु पर मिलेगी ₹3,000 मासिक पेंशन : योजना के नोडल अधिकारी आदित्य चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना भारत सरकार की असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजना है। इसके तहत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के पात्र श्रमिक अपनी आयु के अनुसार ₹55 से ₹200 प्रतिमाह तक का अंशदान जमा करते हैं। इसके बाद 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर उन्हें आजीवन ₹3,000 प्रतिमाह सुनिश्चित पेंशन प्रदान की जाती है।

इन लोगों को मिलेगा योजना का लाभ

योजना का लाभ ऐसे श्रमिक एवं कर्मचारी उठा सकते हैं—
जिनकी मासिक आय ₹.15,000 से कम हो। जो 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के



हों।

जो ईपीएफ, ईएसआईसी या एनपीएस जैसी किसी अन्य सामाजिक सुरक्षा योजना में पंजीकृत न हों।

24 और 25 जुलाई को यहां लगेंगे शिविर

नगरपालिका ने आगामी शिविरों की भी जानकारी जारी की है—

24 जुलाई: नवीन बस स्टैंड पर विशेष शिविर, जिसमें वार्ड क्रमांक 16 एवं 17 के निवासियों का पंजीयन किया जाएगा।

25 जुलाई: पारख जी के बाग में शिविर आयोजित होगा, जहां वार्ड क्रमांक 18, 19, 20, 21 एवं 22 के पात्र श्रमिकों का पंजीयन किया जाएगा।

दोनों शिविर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होंगे।

प्रशासन ने पात्र श्रमिकों से अपील की है कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में पहुंचकर समय रहते पंजीयन कराएं, ताकि भविष्य में नियमित मासिक पेंशन का लाभ प्राप्त कर सकें।

भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी अपनी मांगों को लेकर पानी की टंकी पर चढ़े, प्रशासन पर उठे सवाल

विजयपुर (श्योपुर)। श्योपुर जिले के विजयपुर में भाजपा के सोशल मीडिया प्रभारी सौरभ जादीन अपनी मांगों को लेकर नगर परिषद की पानी की टंकी पर चढ़ गए। इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कौप मच गया और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे। सौरभ जादीन की प्रमुख मांगों हैं कि नगर के बीच बाजार में संचालित मोट मार्केट को तत्काल हटया जाए तथा विजयपुर के लिए जल्द से जल्द शव वाहन उपलब्ध कराया जाए। उनका कहना है कि



ये दोनों मांगें लंबे समय से लॉबित हैं, लेकिन प्रशासन

द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या आम लोगों और जनप्रतिनिधियों को अपनी जायज मांगों के लिए टंकी और टावर पर चढ़कर विरोध करना पड़ेगा? यदि ऐसा है, तो फिर प्रशासन की जवाबदेही क्या है? फिलहाल प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचकर सौरभ जादीन को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। मामले को लेकर आगे की स्थिति पर सभी की नजर बनी हुई है।

डिजिटल न्याय और साइबर सुरक्षा पर पैरालीगल वालेंटियर्स को मिला विशेष प्रशिक्षण

कोर्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एल्टिटीएस (E-LTSS)) से लेकर साइबर फ्रॉड से बचाव तक दी गई व्यावहारिक जानकारी, प्रधान जिला न्यायाधीश बी.एल. प्रजापति ने कहा— ‘डिजिटल न्याय को गांव-गांव तक पहुंचाना ही लक्ष्य ‘



जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

श्योंपुर। बदलते डिजिटल दौर में न्याय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुलभ और प्रभावी बनाने की दिशा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्योंपुर ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देशों तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बी.एल. प्रजापति के मार्गदर्शन में गुरुवार को जिला न्यायालय परिसर स्थित एडोआर भवन में जिले के समस्त पैरालीगल वालेंटियर्स (ब्रह्म) के लिए कोर्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम (एल्टिटीएस) एवं साइबर सुरक्षा विषय पर एक दिवसीय दक्षता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश बी.एल. प्रजापति ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल न्याय प्रणाली को आमजन तक पहुंचाने और लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना समय की सबसे बड़ी

आवश्यकता है। पैरालीगल वालेंटियर्स इस दिशा में महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जो ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक कानूनी जानकारी पहुंचाने का कार्य करते हैं। न्यायिक अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश सुशील कुमार, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रतिष्ठा अवस्थी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संध्या मरावी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव वर्षा सूर्यवंशी मजुमदार, अमोघ अग्रवाल, मनदीप कौर सेहमी, ऋचा भट्ट, पूर्वी राय, भव्या गुप्ता, जिला विधिक सहायता अधिकारी अंकिता शांडिल्य, जूनियर सिस्टम एनालिस्ट जहूर मोहम्मद अंसारी सहित न्यायालय सेवाओं और साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण उपस्थित रहे।

पांच तकनीकी सत्रों में मिला डिजिटल न्याय का प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने पांच अलग-अलग तकनीकी सत्रों के माध्यम से पैरालीगल वालेंटियर्स को न्यायालय की डिजिटल सेवाओं और साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया।



जूनियर सिस्टम एनालिस्ट जहूर मोहम्मद अंसारी ने एल्टिटीएस 3.2 (कोर्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम) की कार्यप्रणाली, उद्देश्यों और डिजिटल न्याय व्यवस्था की रूपरेखा विस्तार से समझाई। उन्होंने ई-फाइलिंग, ई-पे, ई-समन, ई-कोर्ट्स सेवाएं, केस स्टेटस, कांज लिस्ट सहित विभिन्न ऑनलाइन न्यायिक सेवाओं के उपयोग की जानकारी दी। साथ ही ई-कोर्ट्स मोबाइल एप और सिटिजन सर्विसेज पोर्टल का लाइव डेमो देकर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी कराया।

साइबर अपराधों से बचाव के बताए प्रभावी उपाय : साइबर सेल के आरक्षक राजवल्लभ यादव ने चौथे एवं अंतिम तकनीकी सत्र में साइबर अपराधों के चार तरीकों और उनसे बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड, यूपीआई फ्रॉड, सोशल मीडिया स्कैम, आइडेंटिटी थेफ्ट, मालवेयर और रेसमवेयर जैसे डिजिटल खतरों से सतर्क रहने की सलाह दी।

उन्होंने मजबूत पासवर्ड बनाने, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2FA) अपनाने, व्यक्तिगत डेटा

की सुरक्षा बनाए रखने तथा किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 और नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया भी विस्तार से समझाई।

जन-जन तक पहुंचेगी डिजिटल न्याय व्यवस्था : कार्यक्रम का संचालन जिला विधिक सहायता अधिकारी अंकिता शांडिल्य ने किया, जबकि अभार प्रदर्शन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव वर्षा सूर्यवंशी मजुमदार ने व्यक्त किया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से पैरालीगल वालेंटियर्स को न केवल न्यायालय की आधुनिक डिजिटल सेवाओं का ज्ञान मिला, बल्कि वे अब ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को ई-कोर्ट सेवाओं, ऑनलाइन न्यायिक प्रक्रियाओं और साइबर सुरक्षा के प्रति अधिक प्रभावी ढंग से जागरूक कर सकेंगे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य है कि डिजिटल न्याय व्यवस्था का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और साइबर अपराधों के प्रति आमजन अधिक सतर्क एवं जागरूक बनें।

नशे के सौदागरों पर होगी सख्त कार्रवाई, सीमाओं पर बढ़ेगी चौकसी

कलेक्टर और एसपी ने बनाई बड़ी रणनीति 29 जुलाई को नशामुक्ति मेरथन से जागरूक होगा

जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता श्योंपुर, मेडिकल स्टोर्स की होगी सघन जांच, बिना पर्चे प्रतिबंधित दवाएं बेचने वालों पर होगी कार्रवाई श्योंपुर। जिले में बढ़ते नशे के कारोबार और युवाओं में नशीले पदार्थों के बढ़ते दुष्प्रभाव को रोकने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने अब सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर शीला दाहिमा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित एनकोर्ड (ब्रह्म) की महत्वपूर्ण बैठक में नशे के खिलाफ व्यापक अभियान चलाने, अवैध कारोबारियों पर कठोर कार्रवाई करने और जनजागरूकता बढ़ाने की रणनीति तैयार की गई। बैठक में नवागत पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर शीला दाहिमा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि नशामुक्ति केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक भागीदारी से ही संभव है। इसके लिए स्कूलों, कॉलेजों, ग्रामीण क्षेत्रों और महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, ताकि युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से बचाया जा सके।

बिना डॉक्टर के पर्चे प्रतिबंधित दवा बेचने वालों पर होगी सीधी कार्रवाई बैठक में मेडिकल स्टोर्स की कार्यप्रणाली पर भी कड़ा रुख अपनाया गया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिलेभर में मेडिकल स्टोर्स की नियमित जांच की जाए तथा बिना लाइसेंस संचालित दुकानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हो। उन्होंने विशेष रूप से कोडीन, एलप्राजोलम, क्लोनाजेम, एविल जैसी प्रतिबंधित दवाओं के स्टॉक की जांच करने के निर्देश दिए। यदि कोई मेडिकल स्टोर बिना डॉक्टर के पर्चे के ऐसी दवाओं की बिक्री करता पाया गया तो उसके विरुद्ध दुकान सील करने सहित कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। राजस्थान सीमा पर बढ़ेगी चौकसी, हर वाहन की होगी निगरानी पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने कहा कि राजस्थान



सीमा से लगे कुंछाजपुर, सामरसा, जलालपुरा और सुसवाड़ा जैसे संवेदनशील नाकों पर निगरानी और अधिक मजबूती की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक पुलिस थाना प्रतिदिन की चेकिंग का विस्तृत रिकॉर्ड तैयार करे, जिसमें जांच किए गए वाहनों के नंबर, चेकिंग दल और कार्रवाई का पूरा विवरण शामिल हो।

जून में शराब माफियाओं पर कार्रवाई, लाखों की शराब और लहान जन्म

बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा जून माह की कार्रवाई का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया गया। पुलिस विभाग ने एक माह में 41 प्रकरण दर्ज कर 42 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की तथा 293.34 लीटर अवैध शराब और एक चारपहिया वाहन जब्त किया। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 70 हजार 720 रुपये बताई गई।

वहीं आबकारी विभाग ने 52 प्रकरण दर्ज कर 23 आरोपियों पर कार्रवाई करते हुए 14 लाख 20 हजार 375 रुपये मूल्य की 271 लीटर हाथमट्टी शराब, 17 लीटर देशी शराब तथा 13,600 किलोग्राम लहान जब्त किया। ड्राइंगेक्टर ने बताया कि बीते माह 6 मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण कर दवाओं के नमूने लिए गए हैं।

29 जुलाई को दौड़ेगा श्योंपुर, नशे के खिलाफ निकलेगी मेरथन

कलेक्टर शीला दाहिमा की 'क्रिप्टिव श्योंपुर' पहल के अंतर्गत 29 जुलाई को जिले में नशामुक्ति मेरथन आयोजित की जाएगी। सामाजिक न्याय विभाग के तत्वावधान में होने वाली इस मेरथन में कॉलेज विद्यार्थी, एनएसएस, एनसीसी, खिलाड़ी, सामाजिक संगठन और आम नागरिक बड़ी संख्या में भाग लेंगे। इसका उद्देश्य युवाओं और समाज को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना है।

शिवपुरी माधव चौक पर पेपर लीक प्रदर्शन की कवरेज कर रहे पत्रकारों से बदसलूकी, एसपी को झापन सौंप कर कार्रवाई की मांग...

माधव चौक पर छात्रों के आंदोलन में घुसे असामाजिक तत्वों ने महिला व पुरुष मीडियाकर्मियों से की धक्का-मुक्की, लाइव प्रसारण में भी डाला अड़ंगा



शिवपुरी (मध्य प्रदेश)। शिवपुरी के माधव चौक चौहारे पर पेपर लोक मामले को लेकर छात्रों द्वारा किए जा रहे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के दौरान कवरेज कर रहे पत्रकारों से अभद्रता, अशोभनीय टिप्पणी और धक्का-मुक्की का मामला सामने आया है। इस घटना के विरोध में पत्रकारों ने बृहत्संयुक्तवार को पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय पहुंचकर झापन सौंपा और उपदर्शियों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की मांग की है।

शांतिपूर्ण आंदोलन को उग्र बनाने की साजिश : पुलिस अधीक्षक को सौंपे गए पत्र के अनुसार, 22 जुलाई को माधव चौक पर छात्रों द्वारा अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से धरना-प्रदर्शन किया जा रहा था। इस दौरान प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार साथी कवरेज हेतु मौके पर मौजूद थे। आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान भीड़ में पहले से घुसे कुछ असामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों से जुड़े लोगों ने आंदोलन को उग्र रूप



देने का प्रयास किया। महिला पत्रकारों से अभद्रता और लाइव कवरेज में बाधा : पत्रकारों ने बताया कि जब वे अपना पेशेवर दायित्व निभाते हुए घटनाक्रम की कवरेज और लाइव प्रसारण कर रहे थे, तभी असामाजिक तत्वों ने पुरुष एवं महिला मीडियाकर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार किया। उपदर्शियों ने महिला पत्रकारों पर अशोभनीय टिप्पणियां कीं, धक्का-मुक्की की और लाइव कवरेज में बाधा उत्पन्न की। पत्रकारों ने इस कृत्य को न

केवल स्वतंत्र पत्रकारिता पर हमला बताया, बल्कि महिला गरिमा के भी खिलाफ करार दिया है।

वीडियो फुटेज से पहचान कर कार्रवाई की मांग : पत्रकारों ने एसपी को अवगत कराया कि पूरी घटना का वीडियो फुटेज उपलब्ध है। झापन के माध्यम से पुलिस प्रशासन से मांग की गई है कि वीडियो फुटेज के आधार पर अज्ञात असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

दुग्ध विक्रेता व्यापारी संघ ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा झापन: शिवपुरी में अनिवार्य फैट व SNF सिस्टम लागू करने की मांग....

कलेक्टर को झापन सौंपकर मावा/खोया रिकवरी प्रथा पर तुरंत प्रतिबंध लगाने की उठाई मांग, दूधियों के सख्त विरोध और रजिस्ट्रेशन और सैपलिंग की भी अपील

शिवपुरी। जिले में दूध की गुणवत्ता में सुधार और उपभोक्ताओं को शुद्ध दूध उपलब्ध कराने की दिशा में दुग्ध विक्रेता व्यापारी संघ, शिवपुरी ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। संघ ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम एक झापन जिला कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी शिवपुरी को सौंपकर जिले में खाद्य सुरक्षा अधिनियम (FSSAI) एवं नियम 2011 के तहत अनिवार्य फैट (Fat) एवं एस.एन.एफ. (SNF) सिस्टम तुरंत प्रभाव से लागू करने की मांग की है।

संघ के अध्यक्ष एडवोकेट राजकुमार शांनय 'नेतृत्व में सौंपे गए इस झापन में बताया गया कि वर्तमान में शिवपुरी जिले में सख्त अधिनियम (2006) तथा मध्य प्रदेश खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा निर्धारित वैज्ञानिक मापदंडों की खुली अनदेखी की जा रही है।

गैर-कानूनी मावा रिकवरी प्रथा से हो रहा आर्थिक शोषण : संघ का कहना है कि जिले में कुछ दूध उत्पादक (दूधिया) कम फैट और सख्त का अमानक दूध बाजार में लाते हैं और फैट सिस्टम को



आधार पर दूध देने से साफ इंकार करते हैं। इसके स्थान पर दुग्ध डेयरी संस्थानों पर अवैधानिक रूप से 'मावा/खोया रिकवरी' के गैर-कानूनी मापदंडों पर दूध लेने का दबाव बनाया जाता है, जिससे दुग्ध विक्रेताओं का लगातार आर्थिक शोषण हो रहा है।

कानूनी नियमों का दिया हवाला : झापन में संपन्न किया गया है कि सख्त 2006 की धारा 16 और नियम 2011 के अनुसार दूध की शुद्धता और श्रेणी का निर्धारण केवल फैट प्रतिशत (Fat%) एवं एस.एन.एफ. (SNF%) की डिजिटल/प्रयोगशाला जांच से ही मान्य है। मावा या खोया निकालकर दूध की जांच करना कानूनन अमान्य और असंवैधानिक

ग्राम पंचायत चदेनी के ग्राम बांगरोद में श्मशान घाट का अधूरा निर्माण, भुगतान पर उठे सवाल; ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच की मांग



कोलारस (निज संवाददाता)। जनपद पंचायत कोलारस के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चदेनी के ग्राम बांगरोद में श्मशान घाट निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि श्मशान घाट का निर्माण कार्य अभी भी अधूरा है, जबकि भुगतान किए जाने की बात सामने आ रही है। इसे लेकर ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, सत्यापन प्रक्रिया और भुगतान व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि यदि निर्माण कार्य वास्तव में अधूरा है, तो उसका भुगतान किस आधार पर किया गया। उनका कहना है कि निर्माण कार्य का मौके पर सत्यापन किया जाना चाहिए और यह भी जांच होनी चाहिए कि कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप हुआ है या नहीं।

ग्रामीणों के अनुसार, यदि धरातल पर अधूरा या मानकों

के अनुरूप नहीं बने कार्यों का भी भुगतान किया जाता है, तो सरकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ आम लोगों तक कैसे पहुंचेगा। उनका कहना है कि इससे विकास कार्यों की पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े होते हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और जनपद पंचायत कोलारस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए स्वतंत्र जांच दल गठित करने की मांग की है। उनका कहना है कि जांच में यदि किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है, तो संबंधित अधिकारियों एवं जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

इस संबंध में सरपंच, सचिव तथा संबंधित अधिकारियों का पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन खबर लिखे जाने तक उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका। उनका पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

पीएम आवास योजना के तहत अधिकारियों ने किया ग्राम पंचायतों का दौरा, हितग्राहियों को समय सीमा में आवास निर्माण कार्य पूर्ण करने की दी समझाइस....

निरीक्षण में अनुपस्थित नोडल अधिकारी व उपयंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

शिवपुरी (निज संवाददाता)। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की प्रगति एवं निर्माण कार्यों की स्थिति जानने के लिए जिला पंचायत शिवपुरी के अधिकारियों ने विभिन्न ग्राम पंचायतों का दौरा किया। इस दौरान अधिकारियों ने हितग्राहियों से सीधा संवाद कर उन्हें निर्धारित समय-सीमा में आवास निर्माण कार्य पूर्ण करने हेतु प्रेरित किया।



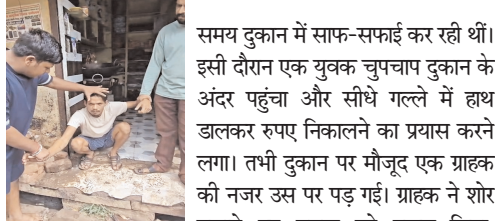
जिला पंचायत शिवपुरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजय राज ने जनपद पंचायत कोलारस की ग्राम पंचायत गोरटोला एवं डोडियाई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी (आवास) एवं उपयंत्री श्री हिमांशु

त्यागी अनुपस्थित पाए गए। इस पर सीईओ जिला पंचायत ने उनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान उन्होंने हितग्राहियों को अपने आवास का निर्माण कार्य शीघ्र एवं तय समय-सीमा में पूरा करने की

नशे की तलब में दुकान के गल्ले पर डाला हाथ, ग्राहक ने रंगे हाथों पकड़ा; लोगों ने पुलिस के हवाले किया

शिवपुरी (निज संवाददाता)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित जल मंदिर के पास एक किराना दुकान में गुरुवार को दिनदहाड़े चोरी का प्रयास सामने आया। स्मैक के नशे का आदी बताए जा रहे एक युवक ने दुकान संचालिका की व्यस्तता का फायदा उठाकर गल्ले से नकदी निकालने की कोशिश की, लेकिन उसी समय सामान लेने पहुंचे एक ग्राहक ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने युवक को पकड़कर डायल-112 पुलिस के हवाले कर दिया।

जानकारी के अनुसार, दुकान संचालिका विनीता गोयल उस



जिसके बाद आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और युवक

को अपने साथ कोतवाली ले गई। पृष्ठछाछ में उसकी पहचान इमरान खान निवासी घोसीपुरा के रूप में हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार इमरान स्मैक का नशा करने का आदी है और नशे की लत के चलते उसने चोरी का प्रयास किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और युवक से पृष्ठछाछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि जिले में 15 जुलाई से 30 जुलाई तक 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान चलाया जा रहा है। इसके बावजूद शहर के बीचोंबीच नशे की लत के चलते चोरी के प्रयास की यह घटना अभियान की जमीनी हकीकत पर सवाल खड़े कर रही है।

संपादकीय

लीक पर चयनित सोच, केंद्र सरकार से इस्तीफा मांग रही कांग्रेस क्या अपनी सरकारें भंग करेगी ?

देश के करोड़ों युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाएँ उनके सपनों, वषों की मेहनत और परिवार की उम्मीदों का आधार होती हैं। जब किसी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है, तब लाखों अभ्यर्थियों का विश्वास टूटता है। यही कारण है कि पेपर लीक का मुद्दा आज राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुका है। किंतु दुर्भाग्य यह है कि इस गंभीर विषय पर भी राजनीतिक दल अक्सर सिद्धांत से अधिक सुविधा का सहारा लेते दिखाई देते हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर पेपर लीक को लेकर हमलावर हैं। उनका कहना है कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है और सरकार जवाबदेही से बच रही है। विपक्ष का यह अधिकार भी है कि वह सरकार से कठोर प्रश्न पूछे। किंतु लोकतंत्र में यही कसौटी विपक्ष पर भी समान रूप से लागू होती है। यदि पेपर लीक राष्ट्रीय शर्म का विषय है, तो क्या यह प्रश्न सिर्फ केंद्र सरकार से पूछा जाएगा या उन राज्यों से भी, जहाँ कांग्रेस अथवा उसके सहयोगी दलों की सरकारों के दौरान ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं?

इसी संदर्भ में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के बयान को साझा करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कांग्रेस के चयनात्मक रवैये पर प्रश्न उठाया है। उन्होंने झारखंड में हिंदी और विज्ञान परीक्षा, तेलंगाना में इंटरमीडिएट भाषा परीक्षा, एसएससी भाषा परीक्षा, तमिलनाडु में बी.एड. परीक्षा, पश्चिम बंगाल में पुलिस कांस्टेबल भर्ती, पंजाब में ग्रुप-डी भर्ती, केरल की लोक सेवा आयोग परीक्षाओं तथा कर्नाटक की परीक्षा से जुड़े मामलों का उल्लेख किया है। वे बताते हैं कि गैर-भाजपा शासित राज्यों में भी प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा अनियमितताओं की लंबी सूची रही है। उनका प्रश्न था कि यदि हर पेपर लीक शर्मनाक है, तब फिर राजनीतिक प्रतिक्रिया भी समान क्यों नहीं है?

वस्तुतः, उपलब्ध सार्वजनिक विवरण यह संकेत देते हैं कि पेपर लीक की समस्या किसी एक दल, एक सरकार या एक संशक तक सीमित नहीं रही। वर्ष 2००4 से 2०14 के बीच केंद्र तथा विभिन्न राज्यों में अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक अथवा गंभीर परीक्षा अनियमितताओं के मामले सामने आए। उपलब्ध सूची के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर यूपीएससी, एसएससी, एनडीए, संयुक्त प्रवेश परीक्षा, आरबीआई, आईबीबीपीएस, कैट, गेट, व्हेट, रेलवे भर्ती, डीआरडीओ और अन्य प्रतियुक्त परीक्षाएँ भी विवादों से अछूती नहीं रही।

इसी प्रकार उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, बिहार, हरियाणा, असम, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, तमिलनाडु, झारखंड, केरल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और अन्य राज्यों में भी विभिन्न भर्ती परीक्षाओं से जुड़े विवाद समय-समय पर सामने आए हैं। इसके बाद भी स्थिति पूरी तरह नहीं बदली। सरकार नए नियम बनाती है और अपराधी उसमें से निक्लते का रास्ता तैयार करके रखता है।

उपलब्ध विवरण के अनुसार २००६ से २०२४ के बीच एम्स, एआईआईईट, रेलवे भर्ती, टीएनपीएससी, मुंबई विश्वविद्यालय, जम्मू-कश्मीर मंडिकुल प्रवेश परीक्षा, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, राजस्थान रीट, झारखंड सीजीएल, बिहार भर्ती, राजस्थान पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती तथा अन्य कई परीक्षाओं को लेकर विवाद सामने आए। इन मामलों के दौरान अलग-अलग समय में कांग्रेस, भाजपा और अनेक क्षेत्रीय दलों की सरकारें सत्ता में थीं। यह तथ्य इस ओर संकेत करता है कि समस्या किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं रही, यह पूरे परीक्षा तंत्र में गहराई तक फैली हुई है।

यहीं से सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है। यदि कांग्रेस आज केंद्र सरकार से जवाब मांग रही है, तो क्या वह अपने शासकाल या अपने सहयोगी दलों की सरकारों के दौरान सामने आए मामलों पर भी उत्तनी ही स्पष्टता से आत्ममंथन करेगी? क्या वह यह स्वीकार करेगी कि परीक्षा प्रणाली की कमियों ने लाखों युवाओं को प्रभावित किया? क्या वह उन राज्यों में भी समान राजनीतिक और नैतिक मानदंड लागू करने की मांग करेगी, जहाँ उसके नेतृत्व या समर्थन वाली सरकारों के दौरान ऐसी घटनाएँ हुईं?

आज जनता क्या चाहती है, जनता यह नहीं चाहती कि राजनीतिक दल एक-दूसरे के पुराने रिकॉर्ड पढ़ते रहें और उस आधार पर एक-दूसरे पर कीचड़ उछलते रहें। वह चाहती है कि पेपर लीक की समस्या का स्थायी समाधान निकले। यदि आज केंद्र में भाजपा सरकार है, तो उससे यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह ऐसी व्यवस्था बनाए जिसमें भविष्य में प्रश्नपत्र लीक होना लगभग असंभव हो जाए। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया घोषणा महत्वपूर्ण मानी जा सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश के युवाओं का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है और पेपर लीक के सभी मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित किए जाएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा तथा संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जा चुके हैं। इससे पहले भी प्रधानमंत्री ने कहा था कि पेपर लीक किसी एक राज्य की नहीं, बल्कि पूरे देश की समस्या है।

यदि यह घोषणा प्रभावी ढंग से लागू होती है, तो यह वर्षों से लंबित उस मांग की पूर्ति होगी जिसमें कहा जाता रहा है कि पेपर लीक के मामलों की जांच और मुकदमे वर्षों तक नहीं चलने चाहिए। हमने इन मामलों में अक्सर देखा है कि कैसे परीक्षा रह होती है और दोबारा आयोजित होती है। अभ्यर्थियों का समय और धन दोनों नष्ट होते हैं, लेकिन दोषियों को सजा मिलने में लंबा समय लग जाता है। यही कारण है कि परीक्षा माफिया बार-बार सक्रिय हो जाते हैं। ऐसे में हम उम्मीद करें कि फास्ट ट्रैक कोर्ट इस दुष्प्रक्र को तोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो सकता है, लेकिन अकेला न्यायालय पर्याप्त नहीं होगा। प्रश्नपत्रों की एंफिकटेड डिजिटल सुरक्षा, सुरक्षित प्रिंटिंग, वितरण की आधुनिक प्रणाली, परीक्षा केंद्रों की तकनीकी निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषण, भर्ती एजेंसियों की जवाबदेही और संगठित परीक्षा माफिया के आर्थिक नेटवर्क पर निर्णायक प्रहार भी बहुत आवश्यक है, इसलिए इन सभी मोर्चों पर समानांतर कार्रवाई करनी होगी। ध्यान रहे, जब तक पेपर लीक को लाभकारी अपराध माना जाता रहेगा, तब तक अपराधी नए रास्ते खोजते रहेंगे।

आज आवश्यकता इस बात की नहीं है कि कौन-सा दल किसका पुराना रिकॉर्ड पढ़कर राजनीतिक अंक हासिल करता है। आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल एक समान नैतिक मानदंड स्वीकार करें। यदि किसी भाजपा शासित राज्य में पेपर लीक होता है, तो वहाँ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। यदि कांग्रेस या किसी अन्य दल के शासन वाले राज्य में ऐसी घटना होती है, तो वहाँ भी उत्तनी ही सख्ती और उत्तनी ही राजनीतिक जवाबदेही दिखाई देनी चाहिए। युवाओं का भविष्य दलगत सीमाओं से कहीं बड़ा विषय है।

देश के करोड़ों अभ्यर्थी आज भाषण नहीं, परिणाम चाहते हैं। वे यह देखना चाहते हैं कि दोषियों को कितनी जल्दी सजा मिलती है, भर्ती प्रक्रियाएँ कितनी पारदर्शी बनती हैं और आने वाले वर्षों में क्या वास्तव में पेपर लीक की घटनाएँ रुकती हैं। आखिरकार, युवाओं के सपनों का प्रश्न किसी चुनावी रणनीति का विषय नहीं बनना चाहिए। जो भी दल सत्ता में हो, उससे जवाबदेही अपेक्षित है। जो भी विपक्ष में हो, उससे समान नैतिकता की अपेक्षा है। यदि राजनीति वास्तव में युवाओं के भविष्य की चिंता करती है, तो उसे आरोपों की प्रतिस्पर्धा छोड़कर विश्वास की पुनर्स्थापना की प्रतिस्पर्धा शुरू करनी होगी। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी जित होगी और यही भारत के युवाओं के साथ वास्तविक न्याय भी।

डॉ. भूपेन्द्र कुमार सुल्लेरे

वरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं विचारक

> 'मातृभूमि की मिट्टी ने जब पुकारा,

आजाद ने जीवन का हर सुख नकारा।

न मृत्यु का भय था, न जीवन की चाह,

भारत की स्वतंत्रता ही थी उनकी राह।

आखिरी सांस तक तिरंगा दिल में रहा,

आजाद एिए, आजाद रहे, आजाद ही रहा। '

भारत के स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल राजनीतिक आंदोलनों, सभाओं और प्रस्तावों का इतिहास नहीं है। यह उन अनगिनत वीरों के त्याग, तपस्या और बलिदान की अमर गाथा भी है, जिन्होंने अपनी जवानों, अपना सुख और अंततः अपना जीवन मातृभूमि के चरणों में अर्पित कर दिया।

इन अमर क्रांतिकारियों की पंक्ति में चंद्रशेखर आजाद का नाम एक ऐसी ज्वलंत मशाल की तरह है, जिसकी रोशनी आज भी भारत की युवा पीढ़ी को साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की दिशा दिखाती है।

चंद्रशेखर आजाद का जीवन केवल एक क्रांतिकारी की कहानी नहीं है। यह उस अदम्य आत्मविश्वास की कहानी है, जिसने अंग्रेजी साम्राज्य की विशाल शक्ति के सामने झुकने से इनकार कर दिया।

वे उस पीढ़ी के प्रतिनिधि थे, जिसने यह तय कर लिया था कि भारत की स्वतंत्रता किसी विदेशी सत्ता की कृपा से नहीं, बल्कि भारतीयों के साहस, संघर्ष और बलिदान से प्राप्त होगी।

उनका जीवन एक संकल्प था। उनका संघर्ष एक संदेश था। उनकी शहादत एक प्रेरणा थी। और उनका नाम-आजाद-भारतीय आत्मसम्मान का अमर प्रतीक बन गया।

चंद्रशेखर : जब एक बालक बना 'आजाद'
चंद्रशेखर आजाद का जन्म २३ जुलाई १९०६ को मध्य प्रदेश के अलीराजपुर रियासत के भाबरा गांव में हुआ था, जिसे आज चंद्रशेखर आजाद नगर के नाम से जाना जाता है।

उनके बचपन का नाम चंद्रशेखर तिवारी था। बाल्यावस्था से ही उनमें साहस, निर्भीकता और स्वतंत्र स्वभाव के गुण दिखाई देते थे। देश में जब असहयोग आंदोलन की लहर उठी, तब किशोर चंद्रशेखर भी उससे प्रभावित हुए और स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय हो गए।

जब उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय के सामने प्रस्तुत किया गया, तब उनके उत्तरों ने उन्हें हमेशा के लिए 'आजाद' बना दिया।

नाम पुछा गया-आजाद।
पिता का नाम पुछा गया-स्वतंत्रता।
निवास पुछा गया-जेलखाना।

उनके इन उत्तरों ने ब्रिटिश सत्ता को चुनौती दी और उनके व्यक्तित्व को एक नया नाम दिया-चंद्रशेखर आजाद।
यह केवल एक नाम नहीं था। यह उनकी जीवन-दृष्टि थी। उन्होंने जीवनभर इस नाम को सार्थक किया।

आजाद : स्वतंत्रता जिनके लिए जीवन का सर्वोच्च सत्य थी
चंद्रशेखर आजाद के लिए स्वतंत्रता केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन नहीं थी।

स्वतंत्रता उनके लिए आत्मसम्मान था।

स्वतंत्रता स्वाभिमान था।
स्वतंत्रता भारतीय अस्मिता थी।
और स्वतंत्रता मनुष्य के अधिकारों की रक्षा का आधार थी।
उन्होंने अपने जीवन का लक्ष्य ही बना लिया था कि भारत को विदेशी शासन से मुक्त कराया जाए।
उनके जीवन में व्यक्तित्व सुख-सुविधाओं के लिए कोई स्थान नहीं था।

उनका अपना कोई स्थायी घर नहीं था।
उनका जीवन लगातार संघर्ष, गुप्त गतिविधियों और क्रांतिकारी साधियों के बीच बीता।

लेकिन उनके भीतर एक विश्वास हमेशा जीवित रहा-भारत स्वतंत्र होगा।

क्रांति का रास्ता और राष्ट्र को मुक्ति का संकल्प
असहयोग आंदोलन को वापसी के बाद देश के अनेक युवाओं में निराशा का भाव पैदा हुआ। चंद्रशेखर आजाद ने क्रांतिकारी आंदोलन का रास्ता चुना।

वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (।फ़्फ़) से जुड़े और बाद में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (।फ़फ़्फ़) के प्रमुख नेताओं में शामिल हुए।

उनका संपर्क राम प्रसाद बिस्मिल, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव और बदुंकेश्वर दत्त जैसे महान क्रांतिकारियों से हुआ।

इन क्रांतिकारियों का उद्देश्य केवल अंग्रेजी सत्ता को चुनौती देना नहीं था। वे एक ऐसे स्वतंत्र भारत का निर्माण चाहते थे, जिसमें शोषण और अन्याय का अंत हो तथा सामान्य व्यक्ति को सम्मान और अधिकार प्राप्त हों।

चंद्रशेखर आजाद संगठन, अनुशासन और साहस के

प्रतीक थे।

उन्होंने क्रांतिकारी आंदोलन को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अपने साथियों के बीच एक ऐसे नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित हुए, जिस पर सभी को विश्वास था।

'आजाद' की प्रतिज्ञा : अंग्रेज मुझे कभी जीवित नहीं फकड़ पाएंगे

चंद्रशेखर आजाद ने अपने जीवन में एक दृढ़ संकल्प लिया था कि वे कभी भी अंग्रेजों के हाथ जीवित गिरफ्तार नहीं होंगे।

यह संकल्प उनके व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा बन गया।

उनका विश्वास था कि क्रांतिकारी का जीवन राष्ट्र के लिए है और यदि अंतिम क्षण भी आए, तो उसे भी मातृभूमि के नाम समर्पित होना चाहिए।

उन्होंने अपने साथियों से कहा था कि वे आजाद हैं और आजाद ही रहेंगे।

यह प्रतिज्ञा उनके जीवन के अंतिम क्षण तक कायम रही। उनकी मृत्यु ने इस संकल्प को अमर कर दिया।

अल्फ्रेड पार्क : जब एक वीर ने अंतिम गोली स्वयं के लिए बचाई

२७ फरवरी १९३१ को इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में चंद्रशेखर आजाद अंग्रेज पुलिस से घिर गए।

उनके साथ उस समय क्रांतिकारी सुखदेव राज भी थे।

आजाद ने अपने साथी को वहां से निकल जाने का अस्वर दिया और स्वयं अंग्रेज पुलिस का सामना करते रहे। उन्होंने अद्भुत साहस के साथ संघर्ष किया।

अंततः जब उनके पास केवल एक गोली बची, तो उन्होंने उसे अपने लिए सुरक्षित रखा।

वे जीवित गिरफ्तार नहीं हुए।

उन्होंने अपनी प्रतिज्ञा निभाई।

वे आजाद थे।

और आजाद ही रहे।

उनका बलिदान भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में साहस, स्वाभिमान और आत्मबलिदान का एक अमर अध्याय बन गया।

मृत्यु उनके लिए अंत नहीं, मातृभूमि के प्रति अंतिम समर्पण था।

चंद्रशेखर आजाद ने मृत्यु को जीवन का लक्ष्य नहीं माना था। वे जीवन को राष्ट्र के लिए उपयोगी बनाने में विश्वास रखते थे।

लेकिन जब राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए जीवन का बलिदान आवश्यक हुआ, तब उन्होंने मृत्यु से भयभीत होने के बजाय उसे मातृभूमि के चरणों में अंतिम समर्पण के रूप में स्वीकार किया।

उनके लिए मृत्यु व्यक्तिगत जीवन का अंत थी, लेकिन राष्ट्र के लिए उनका बलिदान एक नई चेतना का आरंभ था।

यही कारण है कि आजाद की शहादत हमें मृत्यु का महिमांडन नहीं, बल्कि कर्तव्य के प्रति सर्वोच्च निष्ठा का संदेश देती है।

आज के युवाओं के लिए उनके जीवन का सबसे बड़ा संदेश यही है-

जीवन छोटा या बड़ा नहीं होता, जीवन का उद्देश्य उसे महान बनाना है।

चंद्रशेखर आजाद और युवाओं की शक्ति
चंद्रशेखर आजाद स्वयं युवा थे।

उनके सामने जीवन की अनगिनत संभावनाएँ थीं।

वे चाहें तो व्यक्तिगत सुख और सुरक्षित भविष्य का रास्ता चुन सकते थे।

लेकिन उन्होंने राष्ट्र का रास्ता चुना।

आज के युवाओं के लिए यह सबसे बड़ा प्रेरणास्रोत है।

आज राष्ट्रभक्ति का अर्थ केवल हथियार उठाना या संघर्ष करना नहीं है।

आज राष्ट्रभक्ति का अर्थ है-

ज्ञान प्राप्त करना।

ईमानदारी से काम करना।

आज के युवाओं का पालन करना।

भ्रष्टाचार का विरोध करना।

समाज में भेदभाव को समाप्त करना।

संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करना।

पर्यावरण की रक्षा करना।

विज्ञान और तकनीक में आगे बढ़ना।

देश को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान देना।

और अपने जीवन को समाज तथा राष्ट्र के लिए उपयोगी बनाना।

यदि आज का युवा अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करता है और उस ज्ञान का उपयोग राष्ट्र के विकास में करता है, तो यही आधुनिक भारत में आजाद की राष्ट्रभक्ति को आगे बढ़ाने का मार्ग है।

आजाद का राष्ट्रवाद : मातृभूमि सर्वोपरि

चंद्रशेखर आजाद की राष्ट्रभक्ति में मातृभूमि सर्वोपरि

थी।

लेकिन उनका राष्ट्रवाद संकीर्ण नहीं था।

वे ऐसा भारत चाहते थे, जिसमें स्वतंत्रता केवल कुछ लोगों की नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय की हो।

वे ऐसा भारत चाहते थे, जिसमें शोषण और अन्याय के लिए कोई स्थान न हो।

वे चाहते थे कि भारत का नागरिक आत्मसम्मान के साथ जीवन जी सके।

इसलिए आजाद का राष्ट्रवाद केवल विदेशी शासन से मुक्ति का विचार नहीं था।

यह स्वतंत्रता, समानता, न्याय और सम्मान की व्यापक भावना से जुड़ा हुआ था।

विचारों की आजादी : आजाद की सबसे बड़ी विरासत
चंद्रशेखर आजाद का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि स्वतंत्रता केवल राजनीतिक नहीं होती।

मनुष्य को विचारों में भी स्वतंत्र होना चाहिए।

उसे प्रश्न पूछने चाहिए।

उसे सत्य की खोज करनी चाहिए।

उसे अन्याय के विरुद्ध आवाज उठानी चाहिए।

उसे अपने विवेक का उपयोग करना चाहिए।

आज के डिजिटल युग में यह संदेश और भी महत्वपूर्ण हो जाता है।

सोशल मीडिया के दौर में सूचनाओं की भरमार है, लेकिन सत्य और असत्य में अंतर करने के लिए विवेक आवश्यक है।

आज के युवा को आजाद से यह सीखना चाहिए कि किसी भी विचार को केवल इसलिए स्वीकार न करें कि वह लोकप्रिय है।

पढ़ें, समझें, सोचें, प्रश्न करें और फिर अपना निर्णय लें। यही स्वतंत्र चेतना किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है।

आजाद और अनुशासन : क्रांतिकारी जीवन का आधार
चंद्रशेखर आजाद केवल साहसी नहीं थे।

वे अनुशासित भी थे।

क्रांतिकारी संगठन में अनुशासन का अत्यंत महत्व था। उनका जीवन बताता है कि केवल जोश पर्याप्त नहीं है। जोश के साथ होश चाहिए।

साहस के साथ विवेक चाहिए।

और लक्ष्य के साथ अनुशासन चाहिए।

आज के युवाओं के लिए यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है।

करिअर हो या शिक्षा, व्यवसाय हो या समाजिक जीवन, राष्ट्रसेवा हो या व्यक्तिगत विकास-

हर क्षेत्र में सफलता के लिए अनुशासन आवश्यक है।

आजाद की राष्ट्रभक्ति : आज, कल और आने वाली पीढ़ियों के लिए संदेश
चंद्रशेखर आजाद का जीवन इतिहास की किताबों में बंद कोई पुरानी कहानी नहीं है।

उनके विचार आज भी जीवित हैं।

जब कोई युवा अन्याय के विरुद्ध खड़ा होता है-

वह आजाद की भवना को जीवित करता है।

जब कोई विद्यार्थी ज्ञान के लिए संघर्ष करता है-

वह आजाद की चेतना को आगे बढ़ाता है।

जब कोई नागरिक अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाता है-

वह राष्ट्रभक्ति का नया अध्याय लिखता है।

जब कोई युवा अपने देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नवाचार करता है-

वह आजाद के सपनों के भारत की दिशा में आगे बढ़ता है।

आज, कल और आने वाले कल में चंद्रशेखर आजाद की सबसे बड़ी प्रासंगिकता यही रहेगी कि वे हमें सिखाते रहेंगे-

स्वतंत्रता की रक्षा केवल सीमा पर नहीं होती; स्वतंत्रता की रक्षा समाज, शिक्षा, लोकतंत्र, न्याय और नागरिक जिम्मेदारी के माध्यम से भी होती है।

नई पीढ़ी के लिए आजाद का संदेश
आज की पीढ़ी के सामने चुनौतियाँ अलग हैं।
आज युद्ध का मैदान बदल गया है।
आज प्रतिस्पर्धा वैश्विक है।
आज तकनीक जीवन का हिस्सा है।
आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था और सोशल मीडिया समाज को प्रभावित कर रहे हैं।
ऐसे समय में आजाद की विरासत का अर्थ यह है कि युवा-

ज्ञान को अपना हथियार बनाएं।

तकनीक को राष्ट्रनिर्माण का माध्यम बनाएं।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाएं।

संविधान और लोकतंत्र का सम्मान करें।

सामाजिक समरसता को मजबूत करें।

राष्ट्र की विविधता को सम्मान दें।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दें।

अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी समझें।

व्यक्तिगत सफलता को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ें।

यही आजाद के विचारों की आधुनिक व्याख्या है।

२३ जुलाई : जन्मदिवस से राष्ट्रसंकल्प तक

२३ जुलाई केवल चंद्रशेखर आजाद का जन्मदिवस नहीं है।

यह भारत की युवा शक्ति को स्मरण कराने का दिन है कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

आज हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम-

अपने देश से प्रेम करेंगे।

अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करेंगे।

शिक्षा और ज्ञान को जीवन का आधार बनाएंगे।

अन्याय और भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाएंगे।

समाज में समानता और समरसता को बढ़ावा देंगे।

भारत की संस्कृति और विरासत का सम्मान करेंगे।

विज्ञान, तकनीक और नवाचार के माध्यम से देश को आगे ले जाएंगे।

और अपने जीवन को केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं रखेंगे।

पुलिस-जन संवाद को मिल रही नई मजबूती जिलेभर के सभी थानों पर सीएलजी सदस्यों एवं महिला सुरक्षा सखी की बैठकें की जा रही हैं आयोजित पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने पुलिस थाना मनियां पर आयोजित बैठक में किया संवाद



धौलपुर (निज संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी श्रवण कुमार झोरड़ के सुपरविजन में जिले के सभी पुलिस थानों पर सीएलजी (एचडब्ल्यूडब्ल्यू4 खड्डब्ल्यूशु तहशहख) सदस्यों महिला सुरक्षा सखी जनप्रतिनिधियों एवं गणमन्य नागरिकों की बैठकें आयोजित कर कानून-व्यवस्था अपराध नियंत्रण एवं जनसहभागिता से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचारों चर्चा की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक श्री विकास सांगवान ने पुलिस थाना मनियां में आयोजित बैठक में सहभागिता कर सीएलजी सदस्यों महिला सुरक्षा सखी एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित किया। उन्होंने क्षेत्र की कानून-व्यवस्था सामाजिक सौहार्द एवं अपराध नियंत्रण के संबंध में सुझाव प्राप्त किए तथा पुलिस-जन सहयोग को और अधिक सुदृढ़ बनाने

का आह्वान किया। इस दौरान वृताधिकारी वृत्त मनियां श्री खलील अहमद थानाधिकारी थाना मनियां अनिल गौतम सहित बड़ी संख्या में सीएलजी सदस्य एवं आमजन उपस्थित रहे। जिलेभर में आयोजित इन बैठकों के दौरान संबंधित वृताधिकारी एवं थानाधिकारीगण द्वारा उपस्थित सीएलजी सदस्यों महिला सुरक्षा सखी एवं नागरिकों के साथ खुला संवाद स्थापित किया जा रहा है। संवाद के माध्यम से क्षेत्र की स्थानीय समस्याओं कानून व्यवस्था की स्थिति अपराधों की रोकथाम महिला एवं बाल सुरक्षा साइबर अपराध तथा तत्कालीन पुलिस की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को उपलब्ध कराने का आग्रह किया ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। पुलिस अधीक्षक श्री विकास सांगवान ने कहा कि पुलिस और आमजन के बीच विश्वास संवाद एवं सहभागिता ही प्रभावी पुलिसिंग की आधारशिला है। सीएलजी सदस्य एवं महिला सुरक्षा सखी पुलिस के महत्वपूर्ण सहयोगी हैं, जिनके सहयोग से अपराधों की रोकथाम कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सामाजिक सौहार्द को

मजबूत करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की जा सकती है। बैठकों में साइबर ठगी से बचाव सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग अफवाहों एवं भ्रामक सूचनाओं से दूर रहने यातायात नियमों की पालना नशा मुक्ति अभियान महिला सुरक्षा संकल्प अभियान बाल सुरक्षा आपातकालीन हेल्पलाइन एवं पुलिस सहायता सेवाओं के संबंध में भी विस्तार से जानकारी देकर जागरूक किया गया। सीएलजी सदस्यों महिला सुरक्षा सखी एवं अन्य नागरिकों ने पुलिस प्रशासन को हर सभ्य सहयोग देने क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने अपराधों की रोकथाम में सक्रिय भूमिका निभाने तथा जनजागरूकता अभियानों में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाने का विश्वास दिलाया। धौलपुर पुलिस द्वारा भविष्य में भी इसी प्रकार पुलिस-जन संवाद को निरंतर मजबूत करते हुए सभ्यगी संवेदनशील एवं जनेमजूदी पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

मजबूत करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की जा सकती है। बैठकों में साइबर ठगी से बचाव सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग अफवाहों एवं भ्रामक सूचनाओं से दूर रहने यातायात नियमों की पालना नशा मुक्ति अभियान महिला सुरक्षा संकल्प अभियान बाल सुरक्षा आपातकालीन हेल्पलाइन एवं पुलिस सहायता सेवाओं के संबंध में भी विस्तार से जानकारी देकर जागरूक किया गया। सीएलजी सदस्यों महिला सुरक्षा सखी एवं अन्य नागरिकों ने पुलिस प्रशासन को हर सभ्य सहयोग देने क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने अपराधों की रोकथाम में सक्रिय भूमिका निभाने तथा जनजागरूकता अभियानों में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाने का विश्वास दिलाया। धौलपुर पुलिस द्वारा भविष्य में भी इसी प्रकार पुलिस-जन संवाद को निरंतर मजबूत करते हुए सभ्यगी संवेदनशील एवं जनेमजूदी पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

धौलपुर पुलिस की विशेष पहल एकाकी बुजुर्गों से संपर्क कर दी जा रही सहायता सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के निर्देश

धौलपुर (निज संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एडीएफ) बाड़ी श्रवण कुमार झोरड़ के सुपरविजन में धौलपुर पुलिस द्वारा जिलेभर में एकाकी बुजुर्ग महिलाओं एवं बुजुर्ग दम्पतियों की सुरक्षा सहायता एवं विश्वास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विशेष पहल निरंतर संचालित की जा रही है। इस अभियान के तहत सभी थाना पुलिस टीमों नियमित रूप से एकाकी बुजुर्गों से संपर्क स्थापित कर उनकी समस्याएं सुन रही हैं तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें हस्तक्षेप सहायता उपलब्ध करा रही हैं। इसी क्रम में थाना कोतवाली धौलपुर पर एक बुजुर्ग एवं लाचार महिला सहायता की उम्मीद लेकर पहुंची। वृद्धावस्था और असहाय स्थिति के कारण वह मानसिक रूप से व्यथित एवं परेशान दिखाई दे रही थीं। थाना परिसर में मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें समझा-बुझाकर बैठाकर उनकी बात धैर्यपूर्वक सुनी तथा उनकी समस्या को गंभीरता से समझा। थानाधिकारी तत्काल परिणाम प्राप्त करने में मदद करने के लिए पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर बुजुर्ग



महिला को पूरा विश्वास दिलाया कि धौलपुर पुलिस हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को महिला की समस्या के शीघ्र एवं संवेदनशील निस्तारण के निर्देश दिए ताकि उन्हें समय पर न्याय एवं आवश्यक सहायता मिल सके। महिला की सुरक्षा एवं सुविधा को प्राथमिकता देते हुए पुलिसकर्मियों ने उन्हें सकुशल आँटी से उनके घर तक पहुंचाने की व्यवस्था की। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया है कि धौलपुर पुलिस केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक जरूरतमंद विशेषकर बुजुर्ग महिलाओं के साथ आमजन के कर्मजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता

और मानवीय दृष्टिकोण के साथ कार्य करना भी उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है कि जिले में रहने वाले एकाकी बुजुर्गों से नियमित संपर्क स्थापित कर उनकी सुरक्षा कुशलक्षेम एवं आवश्यकताओं का ध्यान रखा जाए ताकि वे स्वयं को सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें। धौलपुर पुलिस आमजन से भी अपील करती है कि यदि उनके आसपास कोई एकाकी असहाय या जरूरतमंद बुजुर्ग सहायता का पात्र हो तो इसकी सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दें। धौलपुर पुलिस सदैव जनसेवा सुरक्षा एवं मानवीय संवेदनाओं के साथ आमजन के सहयोग के लिए तत्पर है।

जयपुर में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग का शक्ति प्रदर्शन शबनम खान सहित धौलपुर के पदाधिकारियों ने भाजपा सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन



धौलपुर (निज संवाददाता)। जयपुर राजस्थान कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों एवं जिला अध्यक्षों की संयुक्त बैठक 22 जुलाई को जयपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में

प्रदेश अध्यक्ष एमडी चौधरी के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने आगामी राजनीतिक एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों की रणनीति तैयार करने तथा कार्यक्रमों की सक्रिय

भागीदारी बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रदेश नेतृत्व ने सभी जिला अध्यक्षों और पदाधिकारियों से संगठन की मजबूती के लिए समर्पित भाव एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभागीय आयुक्त नलिनी कटौतिया की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभाग के सभी जिला कलक्टरों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने बैठक में जिले की तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में सभागीय आयुक्त ने जिले में मानसून पूर्व किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के प्रमुख नालों एवं ड्रेनेज सिस्टम की सफाई जलभराव संभावित क्षेत्रों की पहचान तथा वहां किए गए निवारक उपायों पर विस्तार से चर्चा की। किसी निर्देश दिए कि संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए समीक्षा के दौरान जिले के सभी बांधों एनीकों एवं

मानसून अवधि में आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता सभी विभाग पूर्ण सतर्कता एवं समन्वय के साथ कार्य करें-संभागीय आयुक्त

धौलपुर (निज संवाददाता)। मानसून अवधि के दौरान संभावित अतिवृष्टि जलभराव बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभागीय आयुक्त नलिनी कटौतिया की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभाग के सभी जिला कलक्टरों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने बैठक में जिले की तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में सभागीय आयुक्त ने जिले में मानसून पूर्व किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के प्रमुख नालों एवं ड्रेनेज सिस्टम की सफाई जलभराव संभावित क्षेत्रों की पहचान तथा वहां किए गए निवारक उपायों पर विस्तार से चर्चा की। किसी निर्देश दिए कि संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए समीक्षा के दौरान जिले के सभी बांधों एनीकों एवं



जलाशयों की वर्तमान जलधारण क्षमता जलस्तर सुरक्षा व्यवस्था तथा गेटों की कार्यशीलता का परीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। आवश्यकता पड़ने पर नियंत्रित एवं सुरक्षित जल निकाली की समुचित व्यवस्था बनाए रखने पर भी विशेष बल दिया गया। बैठक में बाढ़ संभावित क्षेत्रों एवं संवेदनशील ग्रामों के लिए तैयार रखने तथा आपातकालीन परिस्थितियों के लिए वैकल्पिक मार्ग एवं यातायात प्रबंधन की समुचित कार्ययोजना तैयार रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में संवेदनशील स्थलों पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तैनाती, त्वरित प्रतिक्रिया पुलिस चिकित्सा एवं अन्य विभागों को

किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए पूर्ण तैयार रहने के निर्देश दिए गए। साथ ही लाइफ जैकेट रिसर्च रेस्क्यू उपकरण जैसी भी पोकेलन ट्रैक्टर पंप सेट सहित अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता सुनिश्चित करने विद्युत पेयजल चिकित्सा दूरसंचार एवं अन्य आवश्यक सेवाओं की निष्ठा बनाए रखने तथा आपातकालीन परिस्थितियों के लिए वैकल्पिक मार्ग एवं यातायात प्रबंधन की समुचित कार्ययोजना तैयार रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में संवेदनशील स्थलों पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तैनाती, त्वरित प्रतिक्रिया दल की सक्रियता तथा विगत वर्ष

चिन्हित समस्याओं के समाधान हेतु इस वर्ष किए गए सुधारालोक कार्यों की भी समीक्षा की गई। सभागीय आयुक्त ने निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें तथा किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित रहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करें। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने बैठक के उपरान्त संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मानसून अवधि के दौरान सभी व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए नियंत्रण कक्ष सक्रिय है जिसका दूरभाष नंबर 05642-220033 है तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि जन-धन की हानि को न्यूनतम रखा जा सके। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद एवं सोमनाथ अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना सहित सम्बन्धित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूल चलो अभियान के तहत प्राथमिक विद्यालय खेड़िया के बच्चों ने निकाली जागरूकता रैली नुककड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को सरकारी विद्यालयों में नामांकन के लिए किया प्रेरित

आगरा (निज संवाददाता)। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत विकास खंड अकोला के प्राथमिक विद्यालय खेड़िया के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने गांव में जागरूकता रैली निकालकर शिक्षा के प्रति जनजागरण का संदेश दिया। रैली के दौरान बच्चों ने विभिन्न स्थानों पर आकर्षक नुककड़ नाटक प्रस्तुत कर अभिभावकों से अपने बच्चों का सरकारी विद्यालयों में नामांकन कराने तथा नियमित रूप से विद्यालय भेजने का आह्वान किया।



कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका पूजा शर्मा द्वारा नुककड़ नाटक का लेखन एवं निर्देशन किया गया। बच्चों ने अपने प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से शिक्षा के महत्व, बालिका शिक्षा, नियमित उपस्थिति तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जैसे विषयों पर ग्रामीणों को जागरूक किया। बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रशंसा ने सराहना

करते हुए अधिक से अधिक बच्चों का सरकारी विद्यालयों में नामांकन कराने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान रामकुमार तथा पूर्व ग्राम प्रधान बदरील सिंह ने विद्यालय में उपलब्ध गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण एवं

शिक्षकों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सरकारी विद्यालयों में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपने बच्चों का अधिक से अधिक संख्या में सरकारी विद्यालयों में प्रवेश दिलाने तथा शिक्षा के इस जन अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामीणों में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करने के साथ-साथ सरकारी विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने की दिशा में एक प्रभावी पहल का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकों पूजा शर्मा, पुष्पा अहिलवार, श्यामवीर सिंह, शालिनी सिंह, नेहा भदौरिया एवं दिनेश कुमार ने अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

किसानों की सुविधा के लिए निजी उर्वरक विक्रेताओं को सुबह 8:30 बजे से दुकानें खोलने के निर्देश

मुरैना (निज संवाददाता)। खरीफ सीजन में उर्वरकों की बढ़ती मांग तथा किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जागिड़ के निर्देश पर उप संचालक, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, श्री अरुण सैय्यी ने जिले के सभी निजी उर्वरक विक्रेताओं को प्रतिदिन प्रातः 8:30 बजे से अपने उर्वरक विक्रय प्रतिष्ठान अनिवार्य रूप से संचालित करने के निर्देश जारी किए हैं।

उप संचालक श्री सैय्यी ने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य किसानों को सुबह से ही उर्वरकों की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करना, अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करना तथा वितरण व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाना है। समय पर दुकानें खुलने से किसानों का समय बचता और उन्हें उर्वरक प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने सभी निजी उर्वरक विक्रेताओं से निर्देशों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करने की अपेक्षा की है। साथ ही स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय पर प्रतिष्ठान संचालित नहीं पाए जाने अथवा निर्देशों की अवहेलना किए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश एवं प्रचलित नियमों के तहत निगमानुसार कार्रवाई की जाएगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित विक्रेता की होगी।

(सफलता की कहानी)

वन स्टॉप सेंटर के परामर्श से बचा एक परिवार, दंपती ने शुरू की नई जिंदगी

मुरैना (निज संवाददाता)। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित वन स्टॉप सेंटर, मुरैना महिलाओं को केवल त्वरित सहायता ही नहीं, बल्कि टूटते रिश्तों को संवाद और परामर्श के माध्यम से नई दिशा देने का भी कार्य कर रहा है।मई 2026 में शकुन (काल्पनिक नाम) अपने भाई के साथ वन स्टॉप सेंटर, मुरैना पहुंची। उसने बताया कि उसने राजेश (काल्पनिक नाम) से प्रेम विवाह किया था। विवाह के दो वर्ष बाद उसका वैवाहिक जीवन गंभीर समस्याओं से ग्रस्त गया। पति के परिवार का व्यवहार उसके प्रति अशुभ नहीं था और समय के साथ पति भी परिवार के प्रभाव में आकर समझौते का प्रयास करने की कोशिश करने लगे। इस दौरान उनके घर एक पुत्र का जन्म हुआ, लेकिन परिस्थितियां

लगातार बिगड़ती गईं। अंततः वह अपने मायके आ गईं। महिला ने बताया कि ससुराल पक्ष ने उसका एक माह का नवजात बच्चा भी उससे अलग कर दिया। लगातार हो रही प्रताड़ना से आहत होकर उसने पति से तलाक लेने का निर्णय बना लिया था। वन स्टॉप सेंटर के परामर्शदाताओं ने महिला की पूरी बात आगे बढ़ा सके।परामर्श का सकारात्मक परिणाम सामने आया। राजेश अपनी पत्नी और बच्चे के साथ अलग रहने के लिए सहमत हो गया। शकुन, उसके पति तथा ससुराल पक्ष के अन्य सदस्य भी इस समाधान पर राजी हो गए। इस प्रकार वन स्टॉप सेंटर, मुरैना के प्रभावी परामर्श से एक परिवार टूटने से बच गया और दंपती ने नई शुरुआत करने का निर्णय लिया।

बुलाकर संयुक्त परामर्श दिया गया। उन्हें आपसी संवाद, विश्वास और सामंजस्य बनाए रखने की सलाह दी गई। परामर्श के दौरान सुझाव दिया गया कि पति-पत्नी अपने बच्चे के साथ अलग किराये के मकान में रहें, जिससे पारिवारिक तनाव कम हो और वे शांतिपूर्ण वातावरण में अपना वैवाहिक जीवन अवरुध्द सके।परामर्श का सकारात्मक परिणाम सामने आया। राजेश अपनी पत्नी और बच्चे के साथ अलग रहने के लिए सहमत हो गया। शकुन, उसके पति तथा ससुराल पक्ष के अन्य सदस्य भी इस समाधान पर राजी हो गए। इस प्रकार वन स्टॉप सेंटर, मुरैना के प्रभावी परामर्श से एक परिवार टूटने से बच गया और दंपती ने नई शुरुआत करने का निर्णय लिया।

उर्वरक स्टॉक अंतरण में लापरवाही पर जिला विपणन अधिकारी निलंबित

मुरैना (निज संवाददाता)। जिले में किसानों को समय पर एवं निबंध रूप से उर्वरक उपलब्ध कराने के संबंध में कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जागिड़ द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में गंभीर लापरवाही पाए जाने पर जिला विपणन अधिकारी, मुरैना श्री विनोद कोटिया को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा जारी आदेश के तहत की गई है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री जागिड़ ने जिले में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, थोक विक्रेताओं द्वारा स्टॉक होल्ड न किए जाने, फुटकर विक्रेताओं को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने तथा किसानों को अनावश्यक परेशानी से बचाने के उद्देश्य से आवश्यक निर्देश जारी किए थे। इसके साथ ही जिला विपणन अधिकारी को संघ द्वारा संचालित खाद विक्रय केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए थे। 21 जुलाई 2026 की उपलब्धता रिपोर्ट के अनुसार जिले में 6025 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध था तथा आईएफएमएस रिपोर्ट के अनुसार 22 जुलाई 2026 को विपणन संघ के पास 5666 मीट्रिक टन यूरिया का स्टॉक मौजूद था। इसके बावजूद जिले के अनेक उर्वरक विक्रय केंद्रों की फुटकर आईडी पर मात्र 309 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध दर्शाया जा रहा था। परिणामस्वरूप किसानों को टोकन जनरेट करने के बाद भी उर्वरक प्राप्त नहीं हो सका तथा उन्हें अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

नशे से दूरी का संदेश: फिजिकल ग्राउंड में युवाओं ने लगाई दौड़ और लॉन्ग जंप, विजेताओं का हुआ सम्मान



शिवपुरी (निज संवाददाता)। जिले में संचालित ‘नशे से दूरी है जरूरी 2.0’ अभियान के तहत फिजिकल थाना पुलिस ने फिजिकल ग्राउंड पर खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रखकर खेल और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। आयोजन में करीब 300 बच्चों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिता के दौरान युवाओं ने 100 और 200 मीटर दौड़ तथा लॉन्ग जंप में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने पूरे जोश और खेल भावना के साथ मुकाबलों में हिस्सा लिया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि खेल युवाओं को अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक

सोच की ओर प्रेरित करते हैं, जबकि नशा व्यक्ति और समाज दोनों के लिए हानिकारक है।

प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मंच से सम्मानित किया गया। साथ ही सभी खिलाड़ियों, बच्चों और उपस्थित नागरिकों को नशे से दूर रहने तथा समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ भी दिलाई गई।

इस अवसर पर एसडीओपी सचिन दुर्वे, फिजिकल थाना प्रभारी कुपाल सिंह राठौड़, फिजिकल थाना पुलिस का स्टाम्फ, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में स्थानीय रहवासी मौजूद रहे। पुलिस ने बताया कि अभियान के तहत आगे भी ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

नीट पेपर लीक विरोध प्रदर्शन: छात्र छात्राओं व राजनीतिक दल के लोगो ने किया शक्ति प्रदर्शन



मुरैना (निज संवाददाता)। नीट (NEET) परीक्षा में कथित पेपर लीक के देशव्यापी मामलों के बीच मध्य प्रदेश के मुरैना में भी तीखा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। इस प्रदर्शन की कमान भीम अर्माी और आजाद समाज पार्टी के स्थानीय नेता नीरज चंदसौरिया ने संभाली। हालांकि यह विरोध प्रदर्शन मेडिकल और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के नाम पर आयोजित किया गया था, लेकिन ग्राउंड जीरो पर इसका स्वरूप काफी अलग नजर आया। प्रदर्शन स्थल पर छात्रों की संख्या के मुकाबले काम-काजी युवक और स्थानीय नागरिक ज्यादा तादाद में दिखाई दिए, जो मुख्य रूप से जाटव समाज से ताल्लुक रखते थे इस आंदोलन के दौरान केवल



शैक्षणिक मुद्दों पर बात करने के बजाय राजनीतिक और वैचारिक नारे भी गुंजे। प्रदर्शन के दौरान खुलेआम ‘मनुवाद मुर्दावाद’ के नारे लगाए गए और देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया गया राजनीतिक जानकारों का मानना है कि नीट के नाम पर शुरू हुए इस आंदोलन की आड़ में विपक्षी दल अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने से बाज नहीं आ रहे हैं, जिससे साफ है कि छात्रों के वास्तविक मुद्दों को पीछे धकेलकर इसे जातीय और राजनीतिक रंग दिया जा रहा है।

विजयपुर का वीर सपूत बना युवाओं की नई पहचान

आर्मी ट्रेनिंग पूरी कर पहली बार घर लौटे अमन कुशवाह का ऐतिहासिक स्वागत, फूलों की बारिश और जयघोषों से गुंजा विजयपुर



विजयपुर (निज संवाददाता)। देश की रक्षा का संकल्प लेकर भारतीय सेना की कठिन एवं गौरवशाली ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूर्ण करने के बाद जब विजयपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत उप्चा के होन्हार युवा अमन कुशवाह पहली बार अपने गृह क्षेत्र पहुंचे, तो पूरा विजयपुर उनके स्वागत में उमड़ पड़ा। पुरां सरपंच एवं भाजपा मंडल महामंत्री हाकिम सिंह कुशवाह के छोटे भाई ज्ञान सिंह कुशवाह के

सुपुत्र अमन कुशवाह के सम्मान में निकाली गई भव्य स्वागत रैली ने क्षेत्र में देशभक्ति, गौरव और उत्साह का अनूठ वातावरण निर्मित कर दिया। अमन कुशवाह के प्रथम गृह आगमन पर आयोजित स्वागत-सम्मान समारोह की शुरुआत विजयपुर के खबौपुरा से हुई। सैकड़ों वाहनों और बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं एवं नागरिकों की मौजूदगी में निकली यह भव्य रैली उनके निज निवास ग्राम उप्चा

तक पहुंची। पूरे मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा की गई, मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया और भारत माता की जय तथा वंदे मातरम् के गगनभेदी नारों से वातावरण राष्ट्रभक्ति से सराबोर हो उठा।सबसे विशेष बात यह रही कि अमन कुशवाह ग्राम उप्चा के पहले युवा हैं, जिनका चयन भारतीय सेना में हुआ है। उनकी यह उपलब्धि पूरे गांव, समाज और विजयपुर क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन गई है। ग्रामीणों ने कहा कि अमन ने यह साबित कर दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति, कड़ी मेहनत और अनुशासन के बल पर गांव का युवा भी देश की सबसे प्रतिष्ठित सेनाओं में स्थान बना सकता है। उनकी सफलता अब क्षेत्र के हजारों बच्चों और युवाओं के लिए नई प्रेरणा बन चुकी है। स्वागत समारोह के दौरान उपस्थित नागरिकों ने कहा कि अमन कुशवाह ने केवल अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे विजयपुर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। भारतीय सेना की वंदी परन्तु देश सेवा का दायित्व निभाने जा रहे इस युवा का सम्मान प्रत्येक नागरिक का सम्मान है। लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य और सुस्थित सैन्य जीवन को कामना करते हुए कहा कि ऐसे युवाओं की सफलता समाज में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और सेवा की भावना को मजबूत करती है।खेल-नागाड़ों की गुंज, तिरंगों की शान, फूलों की वर्षा और जनसैलाब के बीच निकली यह ऐतिहासिक स्वागत यात्रा विजयपुर क्षेत्र के लिए एक अविस्मरणीय पल बन गई। पूरे आयोजन ने यह संदेश दिया कि जब गांव का बेटा देश की सेवा के लिए आगे बढ़ता है, तो उसका सम्मान पूरे समाज का सम्मान बन जाता है।

शहीदे आजाद की मूर्ति लगाने हेतु सौंपा ज्ञापन



मेहागंव (निज संवाददाता)। नगर के समाजिक संगठन जन शक्ति विकास परिषद ने शहीद चन्द्रशेखर आजाद की जयंती के उपलक्ष्य में विचार गोष्ठी आयोजित कर शहीद आजाद की मूर्ति लगाने को लेकर नप सीएमओ महेश पुरोहित को ज्ञापन सौंपा। कार्यकर्ताओं ने मौ रोड स्थित चौधरी मार्केट पर विचार गोष्ठी आयोजित की, जिसमें आजाद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर सभी ने उनके बलिदान और संघर्ष पर विचार व्यक्त किए। इस दौरान परिषद के अध्यक्ष एडवोकेट शिवम चौधरी ने कहा कि शहीद चन्द्रशेखर आजाद का स्वतंत्रता के लिए बलिदान और त्याग सभी देशवासियों को स्मरण है और आज हमारा देश स्वतंत्रता की जो श्वांस ले रहा है वह आजाद जी से ही संभव

है, आजाद जी हम सभी युवाओं के प्रेरणास्त्रोत हैं, इसलिए हम सभी की यह मांग है कि नगर में शहीद आजाद की मूर्ति लगनी चाहिए, जिससे उनकी जयंती या अन्य उपलक्ष्य पर श्रद्धांजली अर्पित कर सके और देश की आने वाली पीढ़ी के हृदय में उनका बलिदान अमर रहे। इसी अवसर पर सीएमओ महेश पुरोहित ने ज्ञापन स्वीकार कर कहा कि हम आपकी मांग को परिषद की बैठक में रखेंगे और इस मांग को पूर्ण कराने का प्रयास करेंगे। ज्ञापन सौंपने वालों में उमेश कटोरा, हरिओम पंचौरी, शिवम सामधिया, छोटू गुर्जर, आरिफ खान, राकेश महंत, मुमताज बेग, अभिषेक ढमोले, गोलू मिर्जा, कान्हा नरौरिया, छोटू खान, गोलू कुशवाह, अरबाज खान, सुमित जाटव आदि युवा उपस्थित रहे।

श्योपुर में सहरिया जनजाति की संस्कृति पर होगा राष्ट्रीय परिसंवाद, 22-23 सितंबर को जुटेंगे शोधकर्ता, विद्वान और लोक संस्कृति के जानकार

जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

श्योपुर। सहरिया जनजाति की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और अनुष्ठानों को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से श्योपुर में दो दिवसीय ‘लखिन्दर परिसंवाद’ का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 22 एवं 23 सितंबर को शासकीय आदर्श कन्या महाविद्यालय, श्योपुर में होगा, जिसमें देशभर के शोधकर्ता, शिक्षाविद, जनजातीय अध्ययन के विशेषज्ञ, लोक संस्कृति के जानकार एवं प्रतिभागी शामिल होंगे।

यह कार्यक्रम जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद के तत्वावधान में मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इसी श्रृंखला के अंतर्गत अलीराजपुर और खंडवा में भी ऐसे आयोजन प्रस्तावित हैं, जबकि श्योपुर में विशेष रूप से सहरिया जनजाति के अनुष्ठानों एवं सांस्कृतिक परंपराओं को केंद्र में रखकर व्यापक विमर्श होगा।

सहरिया संस्कृति के विविध आयामों पर होगी चर्चा स्थानीय समन्वयक डॉ. परवीन वर्मा ने बताया कि परिसंवाद में सहरिया जनजाति की जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं, धार्मिक अनुष्ठानों, लोक विश्वासों, पर्यावरणीय ज्ञान, प्रदर्शन कलाओं, सामुदायिक स्मृतियों तथा पारंपरिक

जीवन शैली पर विशेषज्ञ अपने विचार रखेंगे। साथ ही शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे और विषय विशेषज्ञों के साथ संवाद सत्र भी आयोजित होंगे।

उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य जनजातीय संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी तक उसकी विरासत को पहुंचाना है, ताकि सहरिया समाज की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहचान को व्यापक मंच मिल सके।

प्रार्थनाधियों और प्रतिभागियों से आमंत्रण
आयोजकों ने शोधकर्ताओं, विद्याधियों, शिक्षकों, लोक संस्कृति में रुचि रखने वाले प्रतिभागियों एवं जनजातीय अध्ययन से जुड़े विशेषज्ञों से आयोजन में भाग लेने की अपील की है। इच्छुक प्रतिभागी अपने शोध अलेख अथवा सहभागिता की जानकारी ग्रांल फॉर्म के माध्यम से भेज सकते हैं। डॉ. परवीन वर्मा ने बताया कि यह परिसंवाद जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और अकादमिक शोध को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण मंच साबित होगा, जहां पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक शोध के बीच सार्थक संवाद स्थापित किया जाएगा।

श्योपुर में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम सहरिया जनजाति की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

हिन्दी के विद्वान और समाजसेवी थे उग्रसेन भैयाजी : भदौरिया

-सर्वोदय आश्रम हमीरापुरा में भैयाजी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

भिण्ड (निज संवाददाता)। सर्वोदय आश्रम हमीरापुरा अटेर में सर्वोदय संत लल्लूदत्ता जनसेवा समिति के तत्वाधान में संस्था संरक्षक रहे उग्रसेन जैन भैयाजी की पुण्यतिथि के अवसर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। सर्वप्रथम सर्वधर्म प्रार्थना की गई, तत्पश्चात मौजूद लोगों ने भैयाजी के चित्र पर पुष्पहार पहनाकर पुष्प अर्पित किए।

इस अवसर पर संस्था संजीव पहलवान सिंह भदौरिया ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि



स्व. भैयाजी समाजसेवा में अग्रणी रहे। वे हिन्दी के विद्वान थे, वे जातिगत भेदभाव को न मानते हुए समाजसेवा का काम किया करते थे। भदौरिया ने उनके द्वारा कार्यों एवं संस्था को समर्पित भाव से दिए गए सहयोग की जानकारी भी दी। इस मौके पर राजकुमार यादव, मोहर सिंह, धर्मदेव शर्मा, कप्तान सिंह, रिपुदमन सिंह, मुक्तो सिंह, रावचन्द सिंह आदि मौजूद रहे।

ग्रामीणों के घरों और खेतों को नुकसान पहुँचाने वाले 2 क्रेशर सील....

ग्राम अटलपुर तथा ग्राम थरखेडा में खदानों में अनियमितता मिलने पर काम बंद कराया गया

शिवपुरी (निज संवाददाता)। गत दिवस जनसुनवाई में ग्राम अटलपुर के ग्रामीणों द्वारा खदान क्षेत्र में की जा रही ब्लॉस्टिंग से कच्चे कंकानों में दरारें आने तथा खेतों में पत्थर गिरने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर अर्पित वर्मा ने तत्काल जांच के निर्देश दिए। निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कोलासस, तहसीलदार बदवास, खनिज अधिकारी एवं खनिज निरीक्षक की संयुक्त टीम ने ग्राम अटलपुर पहुंचकर वहां संचालित खनिज पत्थर/गिट्टी उखान पट्टों एवं क्रेशर इकाइयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में ग्राम अटलपुर के सर्वे क्रमांक 734/9/1 रकबा 2.00 हैक्टेयर क्षेत्र पर श्रीमती शशि द्विवेदी पति अरूण द्विवेदी निवासी बलवंत नगर रोड चालियर के पक्ष में स्वीकृत क्रेशर आधारित खनिज पत्थर/गिट्टी उत्खननपट्ट अवधि 1 दिसम्बर 2017 से 30 नवम्बर 2027 तक एवं ग्राम अटलपुर के सर्वे नम्बर 746/11 रकबा 2.00 है. क्षेत्र पर गणेश धाकड़ पुत्र श्री कल्याण सिंह धाकड़ निवासी ग्राम खैवाई तहसील कोलासस के पक्ष में स्वीकृत क्रेशर आधारित खनिज पत्थर/गिट्टी उत्खननपट्ट अवधि 28 अक्टूबर 2017 से 27 अक्टूबर 2027 तक के लिये स्वीकृत होकर संचालित पाई गईं। निरीक्षण के दौरान शिकायत में बताए गए तथ्यों का मौके पर सत्यापन किया गया। कलेक्टर के द्वारा घटना की संवेदनशीलता एवं जनमानस की सुरक्षा और उनकी प्रशासन से की जा रही अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। निर्देशानुसार अधिकारियों द्वारा खदान क्षेत्र में की गई ब्लॉस्टिंग से हुए खेतों के नुकसान का निरीक्षण किया गया तथा खनन सक्रियाओं के दौरान की गई इस गम्भीर अनियमितता एवं स्थानीय ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ग्रामीणों के समक्ष ही तत्काल प्रभाव से खनन सक्रियाएँ तथा क्रेशर संचालन प्रतिबन्धित किया गया। पट्टेधारी के क्रेशर संचालन पर रोक लगाते हुए क्रेशर को तत्काल शील किया गया।



निरीक्षण के दौरान पाया गया कि पट्टेधारी द्वारा अनुमोदित खनन योजना के अनुसार खनन सक्रिया नहीं की जा रही है जो म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 30 (5) का उल्लंघन है तथा खदान क्षेत्र में उखनन कार्य 06 मीटर से अधिक गहराई तक किया जाना पाया गया है जो म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 30 (24) का उल्लंघन है। उपरोक्तानुसार शर्तों के उल्लंघन पाये जाने के फलस्वरूप खनन सक्रियाएँ बंद करते हुए क्रेशर शील किया गया एवं इंटीपी बंद की जाकर पट्टेधारी के विरुद्ध म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 30 (26) एवं 30 (27) के प्रावधानों के तहत कार्यवाही प्रस्तावित करते हुए नियमानुसार कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर जबाब तलब

गुर्जर समाज की हुंकार : अब होगी महापंचायत, छात्रावास से लेकर महापुरुष की प्रतिमा तक कई मांगों पर बनेगी रणनीति

जिला ब्यूरो – संगीता गुप्ता

श्योपुर। जिले में गुर्जर समाज जल्द ही एक महापंचायत आयोजित करने की तैयारी में है। गुर्जर महासभा जिला श्योपुर एवं देवसेना संगठन जिला श्योपुर के तत्वावधान में यह महापंचायत देवनारायण मंदिर परिसर में आयोजित की जाएगी, जहां समाज से जुड़े महत्वपूर्ण सामाजिक, शैक्षणिक और विकासत्मक मुद्दों पर व्यापक चर्चा के साथ आगामी रणनीति तय की जाएगी।

समाज के यदाधिकारियों ने बताया कि महापंचायत का मुख्य उद्देश्य वर्षों से लंबित मांगों को लेकर एकजुट होकर सरकार के समक्ष मजबूत पक्ष रखना है। समाज की प्रमुख मांगों में गुर्जर छात्रावास के लिए भूमि आवंटन, शिक्षा के स्तर को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक सुविधाओं का विस्तार तथा सलापुप नहर पर गुर्जर

समाज के महापुरुष की प्रतिमा स्थापित करने की मांग शामिल है। ‘वर्षों से साथ दिया, अब अपेक्षाएं पूरी हों’

समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि गुर्जर समाज लंबे समय से भाजपा का समर्थन करता आया है। ऐसे में अब समाज को उम्मीद है कि उसकी वर्षों पुरानी मांगों पर सरकार सकारात्मक निर्णय लेगी। उनका कहना है कि यदि मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं होती, तो महापंचायत में समाज जो भी सामूहिक निर्णय लेगा, वही पूरे समाज का निर्णय माना जाएगा।

हालांकि, यह बयान समाज के प्रतिनिधियों का है और सरकार की ओर से इन मांगों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

सामाजिक सुधार भी रहेगा प्रमुख एजेंडा महापंचायत केवल मांगों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि समाज

सुधार के मुद्दों पर भी विशेष मंथन होगा। इसमें मूल्य भोज की प्रथा को पूर्णतः बंद करने, नशामुक्त समाज के निर्माण तथा युवाओं को शिक्षा और सकारात्मक दिशा से जोड़ने जैसे विषयों पर भी चर्चा की जाएगी।

युवा और वरिष्ठजन होंगे शामिल आयोजकों के अनुसार महापंचायत में समाज के वरिष्ठजन, युवा शक्ति, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल होंगे। बैठक की तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी और इसके बाद समाज के प्रत्येक गांव एवं क्षेत्र से लोगों को आमंत्रित किया जाएगा।

गुर्जर महासभा और देवसेना संगठन ने समाज के सभी लोगों से महापंचायत में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर समाजहित के मुद्दों पर एकजुटता प्रदर्शित करने की अपील की है।

खाद्य सुरक्षा टीम ने दूध गाड़ियों और डेरियों से लिए 11 सैंपल, जांच के लिए भोपाल भेजे

- भिण्ड में मिलावटखोरों पर कसा शिकंजा

भिण्ड (निज संवाददाता)। कलेक्टर किरोड़ीलाल मीणा के निर्देशों के परिपालन में जिलेभर में खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सचन जांच अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को विभाग की टीम ने विशेष चेकिंग अभियान चलाकर विभिन्न दुग्ध व्यापारियों, डेरियों और दुग्ध परिवहन वाहनों से दूध के कई नमूने एकत्र किए।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी रेखा सोनी एवं किरण सेंगर की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए जिले के प्रमुख दूध संग्रह केन्द्रों और परिवहन वाहनों की रोककर जांच की। कार्रवाई के दौरान 11



संदिग्ध सैंपल लेकर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे गए हैं। इन ठिकानों और वाहनों पर हुई कार्रवाई

वाहन क्र. एम.पी.07 जी.ए.8533 को रोककर दूध के 3 नमूने लिए। सतीश डेवरी गोरमी के दुग्ध वाहन क्र. एम.पी.30 जी.1457 से भी दूध के 3 नमूने एकत्र किए। सुल्तान डेवरी प्रो. सुल्तान सिंह फूस के दूध टैंकर क्र. यू.पी.75 ई.9321 से एक नमूना लिया गया। व्हीआरएस फूट लिमिटेड मिल्क चिलिंग सेंटर फूस के शुद्धता की जांच हेतु दूध का एक नमूना लिया गया।

रिपोर्ट आने पर होगी सख्त कार्रवाई
खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि भोपाल प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होते ही खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के कड़े प्रावधानों के तहत संबंधितों पर वैधानिक व दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन के इस सख्त रुख से मिलावटखोरों में हड़कंप का माहौल है।

14 वर्ष से फरार 10 हजार का ईनामी स्थाई वारंटी गिरफ्तार

भिण्ड (निज संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक भिण्ड सूरज कुमार वर्मा के निर्देशन, एसएसपी प्रदीप पटेल के मार्गदर्शन एवं सीएसपी निरंजन सिंह राजपूत के पर्यवेक्षण में जिले में फरार एवं ईनामी स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना प्रभारी देहलत निरीक्षक शिवप्रताप सिंह राजावत के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने 14 वर्ष से फरार 10 हजार के ईनामी स्थाई



वारंटी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार उक्त स्थाई वारंटी पर पुलिस अधीक्षक भिण्ड द्वारा 10 हजार का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी पिछले 14 वर्षों से गिरफ्तारी से बचने के उद्देश्य से लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था तथा अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था। पुलिस

द्वारा सतत निगरानी, तकनीकी विश्लेषण एवं मुखबिर तंत्र की सक्रियता के आधार पर आरोपी का पता लगाकर उसे दबोह मोड़ भिण्ड से गिरफ्तार किया गया। देहलत पुलिस की सतकता, निरंतर प्रयास एवं प्रभावी रणनीति के परिणाम स्वरूप लंबे समय से फरार वारंटी को गिरफ्तार किया जा

सका। इस कार्रवाई में निरीक्षक शिवप्रताप सिंह राजावत, प्रधान आरक्षक राजवीर पिप्पल, आरक्षक कमल तोमर, भूपेन्द्र तोमर, अजीत सिकरवार, सुमित शर्मा, अवधेश चौहान, फ़ियोज खान, अतुल पाण्डेय एवं साइबर सेल भिण्ड से आनंद दीक्षित की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

लोकतंत्र का गला घोट रही है सरकार, संविधान की आवाज को डंडों से नहीं दबाया जा सकता : निगम - युवाओं पर लाठीचार्ज और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस का धरना



मेहराव (निज संवाददाता)। नीट पेपर लीक से करोड़ों युवाओं के भविष्य से जुड़े गंभीर मुद्दे पर ज़रूरत-मंतर से संसद तक शांतिपूर्ण पैदल मार्च कर रहे छात्रों एवं युवाओं पर दिल्ली पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा किए गए लाठीचार्ज तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को प्रधानमंत्री आवास की ओर जाने समय गिरफ्तार किए जाने के विरोध में सोमवार रात्रि ब्रॉक कांग्रेस मेहराव के अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह निगम के नेतृत्व में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा

के समक्ष जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया। धरने को संबोधित करते हुए देवेन्द्र सिंह निगम ने कहा कि देश आज लोकतंत्र के सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है। युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने वाले नीट पेपर लीक जैसे घोटाले पर जवाब देने के बजाय सरकार छात्रों की आवाज को लाटियों से कुचल रही है। यह केवल छात्रों पर हमला नहीं, बल्कि संविधान, लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि जब

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने युवाओं की आवाज उठाते और इस गंभीर विषय पर चर्चा कराने की मांग की, तो सरकार ने लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करने के बजाय उन्हें ही गिरफ्तार करा दिया। यह घटना लोकतंत्र के इतिहास में काला अध्याय है और देश की जनता इसे कभी नहीं भूलेंगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अन्याय, दमन और तानाशाही के विरुद्ध सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करती रहेगी। संविधान ने हर नागरिक को शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार दिया है, लेकिन आज उसी अधिकार को कुचला जा रहा है। युवाओं पर डंडे बरसाने वाली सरकार को जनता लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगी।

धरना-प्रदर्शन में इलियास खान एक्जिकेकट, जबर सिंह कुशवाहा, नरेश राठौर फौजी, माधव सिंह अर्गल, मनीष शिवहरे, बदन सिंह राठौर, रामजीलाल रामा, मंदेश बंसल, रकेश इंदौरिया, विकास चौधरी, शिवम आजाद, जयराज गर्ग सहित बड़ी संख्या के कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने युवाओं के समर्थन में आवाज बुलंद करते हुए लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का संकल्प लिया।

ऊमरी पुलिस ने 10 हजार के इनामी आदतन अपराधी को किया गिरफ्तार

भिण्ड। पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक भिण्ड सूरज कुमार वर्मा एवं एसपी प्रदीप पटेल के निर्देशन तथा एसडीओ (पुलिस) मुख्यालय भिण्ड दीपक तोमर के मार्गदर्शन में थाना ऊमरी पुलिस थाना ने 10 हजार रुपए के इनाम आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार गत तीन मई को फरियादी देवेन्द्र पुत्र रामदास यादव उम्र 36 साल निवासी ग्राम धर्दई ने आरोपीगाणों के विरुद्ध शराब के लिए रुपए मांगने न देने पर गंदी गंदी गालियां देने, लोहे की रोंड से मारपीट करने, पोकलेन मशीन में तोड़ फोड़ करने व जान से मारने की धमकी देने की शिकायत की थी। जिस पर आरोपियों के विरुद्ध



अपराध क्र.85/2026 धारा 119(1), 115(2), 296 (बी), 351(3), 324(4), 3(5)

बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी को बिलाव के हार से गिरफ्तार जेआर पर न्यायालय पेश किया गया। आरोपी के विरुद्ध जिले के विभिन्न थानों में करीब 22 अपराध पंजीबद्ध है। उसके विरुद्ध थाना शहर कोतवाली भिण्ड में पंजीबद्ध अपराध क्र.219/25 धारा 303(2), 115(2), 296, 351(3), 3(5) बीएनएस में आरोपी की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी ऊमरी निरीक्षक वृजेन्द्र सिंह सेंगर, निरीक्षक ध्यानेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक जबर सिंह, आरक्षक गौरव बैस, शिवम तोमर, आलेश यादव, सोनू दुबे की विशेष भूमिका रही।

असवार पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

भिण्ड (निज संवाददाता)। अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक भिण्ड सूरज कुमार वर्मा एवं एसपी प्रदीप पटेल के निर्देशन में तथा एसडीओपी लखर प्रवीण पिपाटी के मार्गदर्शन में थाना असवार पुलिस दुष्कर्म के आरोपी को 24 घण्टे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी



के अनुसार 22 जुलाई को फरियादिया ने आरोपी के विरुद्ध दुष्कर्म की शिकायत की थी। जिस पर से थाना असवार में आरोपी के खिलाफ धारा 64(1), 351(3) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया और मुखबिर की सूचना पर आरोपी को ग्राम जैतपुरा में आरोपी के खेत से गिरफ्तार कर जेआर पर

न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय से जेल वारंट बनने से आरोपी को उपजेल लाहर में दाखिल किया गया है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक सुरेश मिश्रा, प्रधान आरक्षक पंकज शर्मा, आरक्षक रविन्द्र, राहुल जाटव, कीशलेन्द्र, बंदना, सलमान, पंकज शर्मा, श्वेता गोयल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पंचायत भवन बंद मिला, सचिव, सरपंच, पीसीओ को कारण बताओ नोटिस

- सीईओ जिला पंचायत ने स्कूलों और पंचायत भवनों का किया निरीक्षण

भिण्ड (निज संवाददाता)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वीर सिंह चौहान ने गुरुवार को सुबह 11 बजे ग्राम पंचायत दीनपुरा का आकस्मिक निरीक्षण कर सरकारी कार्यों पर सख्त रुख अपनाया। निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन बंद पाया गया, जिसके कारण संबंधित सचिव, ग्राम रोजगार सहायक व सरपंच को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। तत्पश्चात 11.30 बजे माध्यमिक विद्यालय भीमपुरा का निरीक्षण किया गया, जहां चार शिक्षकों में से तीन उपस्थित रहे और एक अनुपस्थित पाया गया, अनुपस्थित शिक्षक को कारण बताओ नोटिस दिया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में किसी भी विद्यार्थी की उपस्थिति नहीं मिली, जिस कारण अधिकारियों को निदेश दिए गए कि वे अभिभावकों से संपर्क कर बच्चों की उपस्थिति



बढ़ाएं तथा दो दिन में शाला परिसर की साफ-सफाई सुनिश्चित कराने और पौधारोपण करवाने के आदेश दिए। सीईओ जिला पंचायत चौहान ने अट्रे में ग्राम खरिका एवं चौधौ में मां की बगिया का भी

निरीक्षण किया। साथ ही निर्माणधीन पंचायत भवन अट्रे का निरीक्षण कर कड़ी निगरानी के साथ गुणवत्ता पूर्ण और समय पर निर्माण कराने के संबंधित अधिकारियों को निदेश दिए। उन्होंने हाईस्कूल देहरा का निरीक्षण किया तथा निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों की कॉपियों की जांच की। शिक्षकों को नियमित रूप से कॉपियां जांचने, गलतियां सुधारवाने तथा बच्चों की हैडर/डिग्री सुधारने के निर्देश दिए। स्कूल के खाली परिसर में पौधारोपण कराने का भी आदेश दिया। सीईओ के निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत देहरा बंद पाई गई। जिस कारण संबंधित सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक व पीसीओ को नोटिस जारी कर कहा गया कि संतोषजनक जवाब न मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। सीईओ ने खरिका में नलजल योजना के कार्यों का निरीक्षण कर समय-सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान स्पष्ट संदेश दिया कि शिक्षा व विकास कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता व जिम्मेदारी अनिवार्य है तथा समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए समुचित कार्रवाई होगी।



नशे से दूरी हैं जरूरी अभियान के तहत विजय प्रतियोगिता आयोजित

- मानव श्रृंखला बनाकर दिलाई गई शपथ
मेहराव (निज संवाददाता)। एसडीओपी मेहराव संजय कोच्छ, उपनिरीक्षक विवेक शर्मा, प्रधान आरक्षक सत्येन्द्र, आरक्षक शिवकुमार तथा हेमंत द्वारा रामजीलाल उमावि मेहराव में नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत विजय प्रतियोगिता कराई गई तथा नशे के दुष्परिणामों के बारे में भी विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में स्कूल संचालक प्रहलाद शर्मा, प्रधानाध्यापक धर्मेन्द्र सिंह, शिक्षक वाईएस चौहान, मधुसूदन उपस्थित रहे। एसडीओपी मेहराव संजय कोच्छ ने विद्यार्थियों पुलिस स्टॉफ तथा शिक्षकों के साथ मानव श्रृंखला बनाकर सभी को नशे से दूर रहने हेतु शपथ दिलाई।

चचेरी बहन से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का मामला, एफआईआर दर्ज

भिण्ड। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र में एक 21 वर्षीय युवती ने अपने चचेरे भाई पर प्रेम संबंध में फंसाकर शादी का झांसा देने, कई बार दुष्कर्म करने और बाद में निजी वीडियो वायरल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 तथा आईटी एक्ट की धारा 66ई, 67 और 67बी के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पीड़िता मूल रूप से भिण्ड की रहने वाली है और वर्तमान में अपने परिवार के साथ इंदौर में रहती है। शिकायत में उसने बताया कि आरोपी उसके सगे चाचा का बेटा है। वर्ष 2023 में दोनों के बीच फोन पर बातचीत शुरू हुई। शुरुआत में पारिवारिक रिस्ते के कारण बातचीत होती रही, लेकिन बाद में आरोपी ने प्रेम संबंध बनाने का दबाव बनाया। पीड़िता का आरोप है कि वर्ष 2024 में भिण्ड आने के दौरान आरोपी ने शादी का झांसा देकर पहली बार उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद भी अलग-अलग मौकों पर विवाह का भरोसा देकर उसके साथ संबंध बनाए। मार्च 2026 में इंदौर के एक होटल में मुलाकात के दौरान आरोपी ने उसका निजी वीडियो भी रिकार्ड कर लिया। शिकायत के अनुसार जब युवती ने शादी के लिए कहा तो आरोपी ने वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी दी। बाद में उसने वीडियो व्हाट्सएप के माध्यम से पीड़िता और उसके कुछ रिस्तेदारों तक भेज दिया। घटना के बाद युवती ने अपने परिजनों को पूरी जानकारी दी और मां के साथ शहर कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घमूरी में पुल के नीचे मिला प्रौढ़ का शव, हत्या की आशंका

भिण्ड। जिले के घमूरी गांव के पास एक पुल के नीचे लगभग 45 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और निरीक्षण किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान अतर सिंह के रूप में हुई है। शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस ने अभी किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है। घटना स्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और मामले की हर पहलू को जांच की जा रही है। पोस्ट मार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

नशे से दूरी हैं जरूरी थीम पर विशेष मैराथन दौड़ आज

भिण्ड (निज संवाददाता)। नशा मुक्ति एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से नशे से दूरी है जरूरी थीम पर एक विशेष मैराथन दौड़ का आयोजन 24 जुलाई को सुबह 6 बजे लखर चौरहा से किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना तथा समाज को नशामुक्त बनाने का संदेश देना है। मैराथन में पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी, खिलाड़ी, युवा, सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी संस्थाएं एवं आम नागरिक सहभागिता करेंगे। प्रतिभागियों के माध्यम से आमजन को यह संदेश दिया जाएगा कि नशा जीवन की समस्या का समाधान नहीं, बल्कि अनेक समस्याओं का कारण है। पुलिस प्रशासन ने अधिक से अधिक लोगों को इस मैराथन से जुड़ने की अपील की है।

उत्तर मध्य रेलवे

क्रमांक:-**झाँसी/डब्ल्यूटी/रेण्डर जनरल/176** दिनांक: **21.07.2026**

ई-टेंडरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई-निविदा सूचना संख्या: झाँसी-इन्जी.-सी-2026-176, **कार्य का नाम:** सफाईग एण्ड स्टैकिंग ऑफ एसकेवी वेल्डिंग पोर्शन फॉर 60केजी 90यूटीएस/60केजी/60ईआई आर-260 रेल विथ कम्पलीट एक्सेसरीज अंडर सीनियर डीईएन/सेंट्रल/झाँसी जुरिडिक्शन।

अनुमानित लागत (₹): ₹ 2,11,45,059.48	अमानत राशि (₹) ₹ 4,22,900.00
--	-------------------------------------

निविदा बन्द होने की तिथि : 12.08.2026 at 15:00 hrs.

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 24 माह।

(1) निविदा दिनांक **12.08.2026** को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। (2) पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.treps.gov.in** पर देखें। **1674/26 (MG)**

North central railways

@CPRONCR

www.ncr.indianrailways.gov.in

जनजातीय युवाओं की प्रतिभा, लोक कलाओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए तैयार की जाएंगी विशेष योजनाएँ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव



आलीराजपुर जिले को हर क्षेत्र में बनाया जाएगा नंबर वन

झाबुआ-आलीराजपुर में भी होगी कैबिनेट जनजातीय संस्कृति, प्राकृतिक खेती, स्थानीय उत्पादों और ग्रामीण नवाचार को देंगे बढ़ावा
मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से किया संवाद

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अमर शहीद महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की जन्मस्थली ने मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश को गौरवावित किया है। उनकी 120वीं जयंती के चंद्रशेखर आजाद नगर आना गौरव और सीमाघ्य की विषय है। उन्होंने कहा कि आलीराजपुर अपनी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं, भाषा-बोली, कला, प्राकृतिक खेती व संप्दा और वनोपज के कारण विशिष्ट पहचान रखता है। राज्य सरकार जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और लोक कलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा स्थानीय कला और संस्कृति को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आलीराजपुर जिले को हर क्षेत्र में नंबर वन बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की 120वीं जयंती पर चंद्रशेखर आजाद नगर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव के अंतर्गत आयोजित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आलीराजपुर, बड़वनी, धार, झाबुआ, रत्नाम सहित विभिन्न जिलों से आए कृषि, जनजातीय संस्कृति, ग्रामीण विकास और सामाजिक विषयों पर कार्य कर रहे युवा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री

डॉ. यादव ने कहा कि आज सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने, सकारात्मक बदलाव लाने और जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने इन्फ्लुएंसर्स से कृषि, प्राकृतिक खेती, जनजातीय संस्कृति, पर्यटन, स्थानीय उत्पादों और ग्रामीण नवाचार जैसे विषयों पर प्रभावी डिजिटल सामग्री तैयार करने को कहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेश की सकारात्मक छवि, किसानों की सफलता की कहानियाँ, जनजातीय समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा स्थानीय उत्पादों को देश-दुनिया तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से संवाद में इन्फ्लुएंसर श्री चंद्रभान सिंह भदौरिया ने वनोपज की बेहतर विपणन व्यवस्था करने की बात कही। श्री कादुसिंह सिंह ने उड़द फसल को जीआई टैग दिलाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उड़द प्रदेश की प्रमुख फसलों में शामिल है और इसकी गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार किसानों को प्रति किंटल 600 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान कर रही है। उन्होंने आश्चस्त किया कि उड़द को जीआई टैग दिलाने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय समाज का पारंपरिक भोगोरिया उत्सव मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर है। राज्य सरकार इसे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाने के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है। ताकि जनजातीय संस्कृति का गौरव पूरे विश्व तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपराएं और लोक कलाएं हमारी अमूल्य धरोहर हैं तथा इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिला सशक्तिकरण से जुड़े प्रश्न पर सुश्री प्रियंका तोमर से कहा

कि प्रदेश सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए लाड़ली बहना योजना और लाड़ली लक्ष्मी योजना जैसी अनेक योजनाएँ संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति नारी सम्मान की संस्कृति है। हमारा देश ‘भारत माता की जय’ का उद्घोष करने वाला विश्व का अनुद्य राष्ट्र है। माँ सीता, माता पार्वती, देवी लक्ष्मी, देवी सरस्वती और माँ जगदंबा हमारी संस्कृति की प्रेरणा है। प्रदेश सरकार भी महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है तथा प्रत्येक माह लाड़ली बहनों को सम्मानपूर्वक आर्थिक सहायता प्रदान कर उनके सशक्तिकरण का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में कैबिनेट में यूसीसी को मंजूरी दी गई है। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) भी महिलाओं पर सर्मापित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री तुषार पालीवाल के जनजातीय क्षेत्रों में कैबिनेट आयोजित करने संबंधी प्रश्न पर कहा कि प्रदेश में जनजाति सहित सभी क्षेत्रों में कैबिनेट आयोजित की जाएगी और स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने सहित स्थानीय स्तर के महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य विकास की मुख्य धारा में प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक वर्ग की समान भागीदारी सुनिश्चित करना है।

संवाद कार्यक्रम में श्री राजेंद्र बासुनिया ने जनजातीय संस्कृति पर आधारित गीत प्रस्तुत किया, जिसकी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि जनजातीय युवाओं की प्रतिभा, लोककलाओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विशेष योजनाएँ तैयार की जाएंगी।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर श्री आशीष पांडे ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आकर्षक पोट्रेट तथा सुश्री साक्षी भर्गवड़िया ने पिथौरा कला पर आधारित सुंदर पेंटिंग भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन उद्यहरों की सराहना करते हुए स्थानीय कला के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पिथौरा जैसी पारंपरिक जनजातीय कला को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए भी विशेष प्रयास किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स श्री राजेंद्र बासुनिया, सुश्री प्रियंका तोमर, सुश्री साक्षी भर्गवड़िया, श्री भरत सस्ति्या एवं श्री रितेश राठौड़ को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम संवाद में मुख्यमंत्री ने सभी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के साथ समूह छायाचित्र भी खिंचवाया और उनसे आह्वान किया कि वे राज्य शासन की जनकल्याणकारी एवं किसान हितैषी योजनाओं पर आधारित प्रभावी रीलस, वीडियो और डिजिटल सामग्री तैयार करें ताकि अधिक से अधिक किसानों, युवाओं और आम नागरिकों तक योजनाओं की जानकारी पहुंचे और वे उनका अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि युवा इन्फ्लुएंसर्स समाज में सकारात्मक परिवर्तन के प्रभावी वाहक बन सकते हैं और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सड़क यात्रा के ईडी की मप्र में बड़ी कार्रवाई, जबलपुर के प्रियंक मेहता की 3.67 करोड़ की अचल संपत्ति जब्त



भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को आलीराजपुर जिले के चंद्रशेखर आजाद नगर में आयोजित विभिन्न

और उनसे संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सड़क मार्ग से यात्रा के दौरान धार जिले के राजगढ़ में टी स्टॉल पर जाकर स्वयं चाय भी बनाई। उन्होंने चाय विक्रेता से उनके कार्य और व्यवसाय के संबंध में बातचीत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थित नागरिकों से विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुछ व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में जाकर कुछ देर दुकान मालिकों और स्टॉफ के सदस्यों से भी बातचीत की।

भोपाल, 23 जुलाई (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विशिष्ट मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के अंतर्गत मध्य प्रदेश के जबलपुर निवासी राजुल गुु के पर्टरन प्रियंक मेहता के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करते हुए 5,02,954 अमेरिकी डॉलर यानी 3.67 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्ति जब्त की है। ईडी भोपाल कार्यालय द्वारा गुरुवार को जानकारी दी गई कि मेहता ने अमेरिका के बीजा कार्यक्रम में निवेश के लिए करीब साढ़े पांच लाख डॉलर विदेश भेजे थे। इसके बाद पुर्तगाल में प्रॉपर्टी खरीदी गई और विदेशी बैंक में पैसा जमा किया गया। ईडी ने यह कार्रवाई आयकर विभाग से मिली सूचना और जांच के आधार पर की है।

ईडी के अनुसार, जांच में सामने आया है कि प्रियंक मेहता ने लिबरलाइज्ड रेंटट्रेस स्कीम (एलआरएस) के अंतर्गत अमेरिका के ईबी-5 वीजा कार्यक्रम में निवेश के लिए 5,48,000 अमेरिकी डॉलर विदेश भेजे थे। जांच में यह पता चला कि भेजी गई राशि में से 5,02,954 अमेरिकी डॉलर, उस काम में उपयोग नहीं लाए गए,



जिसके लिए भेजे गए थे।

ईडी की जांच के अनुसार, अमेरिका से वापस हुई राशि को भारत वापस लाने के बजाय सोधे पुर्तगाल भेज दिया गया। बाद में भारत से भेजी गई अतिरिक्त धनराशि के साथ इसे मिलाकर पुर्तगाल में अचल संपत्ति खरीदी गई। शेष राशि भी पुर्तगाल के एक विदेशी बैंक खाते में रखी गई। ईडी का कहना है कि विदेश में इस प्रकार विदेशी

मुद्रा और संपत्ति का अधिग्रहण एवं उपयोग फेमा, 1999 की धारा 4 तथा धारा 10(6) का उल्लंघन है।

ईडी ने फेमा की धारा 37 ए(1) में जबलपुर स्थित प्रियंक मेहता की लगभग 3.67 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्ति जब्त कर ली है। ईडी के अनुसार, यह राशि विदेश में अवैध रूप से रखे गए 5,02,954 अमेरिकी डॉलर के बराबर है। ईडी ने स्पष्ट किया है कि मामले में आगे की जांच जारी है और जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि आयकर विभाग ने राजुल गुु और प्रियंका मेहता के ठिकानों पर 2023 में सर्वे किया था। इस दौरान यह बात सामने आई कि मेहता के पास विदेशी संपत्तियां हैं। मेहता ने लिस्बन में एक रहिवाशी फ्लैट खरीदा था। इस संपत्ति से उसे किराए के रूप में आमदनी हो रही थी। इसकी जानकारी मेहता ने आयकर रिटर्न फाइल करने के दौरान छुपाई थी। आयकर विभाग की सूचना पर ईडी ने इसी साल मार्च में प्रियंक मेहता के तीन ठिकानों पर छपा मारा था।

प्रदेश का संपूर्ण जनजातीय अंचल, तीर्थ समान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश के आलीराजपुर सहित पूरे जनजातीय क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव नजर आ रहा है। झाबुआ, आलीराजपुर, मंडला, डिंडोरी, बालाघाट सहित प्रदेश का संपूर्ण जनजातीय अंचल हमारे लिए एक तीर्थ के समान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चंद्रशेखर आजाद नगर में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की 120वीं जयंती पर नमन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आलीराजपुर जिले के चंद्रशेखर आजाद नगर में बलराम कृषि महोत्सव में कहा कि इस धरती के एक जोशीले युवा ने नायक बनकर आजादी के आंदोलन में अग्रजों के खिलाफ लड़ते हुए अपने जन्म को सार्थक बनाया। आलीराजपुर के वीर योद्धा छोट्टी किराड़, राजा आलिया भील, क्रांति सूर्य टट्टया मामा जैसे अनेक जनजातीय क्रांतिकारियों ने भी स्वतंत्रता आंदोलन में अतुलनीय योगदान दिया। राज्य सरकार इन शहीदों के बलिदान का स्मरण करते हुए आदरांजलि अर्पित करती है। कार्यक्रम में बताया गया कि डब्ली नमदा पाप्य लाइन परियोजना सिंचाई परियोजना पूर्ण हो गई है, जिसका शीघ्र ही लोकार्पण होगा।

जोबट तक भी शीघ्र नर्मदा जल पहुंच जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर, धार, झाबुआ और बड़वनी के बाद आलीराजपुर जिले में बलराम कृषि महोत्सव हो रहा है। महोत्सव में उन्नत एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने वाले किसानों का सम्मान किया गया, जिससे अन्य किसान भी आधुनिक एवं प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित हों। आलीराजपुर के किसानों ने इस बार काम वर्षा के बाद भी हौसला दिखाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले में हुए अग्रोसरंचनात्मक विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वामित्व योजना के तहत 10 हजार 136 हितग्राहियों को लाभ मिला है और 331 हितग्राहियों को भूखंड प्रदान किए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 90 हजार 124 पक्के आवास स्वीकृत किए गए हैं। जिले के 5 लाख 70 हजार 179 हितग्राहियों को निःशुल्क राशन उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियों को किसान सम्मान निधि, लाड़ली बहना योजना तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ भी मिल रहा है। राज्य सरकार लाड़ली बहनों और युवाओं के कल्याण के लिए संकल्पित है। लाड़ली बहनों को हर माह 1500 रुपये की सीमांत मिलती है।

सीमा पर जवान और खेतों में किसान का योगदान महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे लिए सीमा पर जवान और खेतों में किसान दोनों का परिश्रम बराबर है। दोनों का महत्वपूर्ण योगदान है। कृषक कल्याण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को जन्मजयंती पर किया नमन



चंद्रशेखर उद्यान से निकाली ‘आजाद प्रेरणा मशाल यात्रा’
आजाद कटुटिया पहुंचकर अर्पित की श्रद्धांजलि

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्मस्थली, आलीराजपुर जिले के चंद्रशेखर आजाद नगर पहुंचे। उन्होंने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर उनकी पावन जन्मजयंती के अवसर पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद का त्याग, अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और बलिदान प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके आदर्श नई पीढ़ी को राष्ट्रसेवा, आत्मसम्मान और देशभक्ति का संदेश देते रहेंगे।

इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चंद्रशेखर उद्यान से ‘आजाद प्रेरणा मशाल यात्रा’ का शुभारंभ किया। मशाल यात्रा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, युवाओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा आजाद कटुटिया (आजाद स्मृति मंदिर) तक पहुंची, जहां मुख्यमंत्री ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद का जीवन राष्ट्रभक्ति का उदाहरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजाद स्मृति मंदिर में प्रदर्शित अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के जीवन वृत्तांत का अवलोकन किया। उन्होंने उनके जन्म, बाल्यकाल, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान तथा राष्ट्र के लिए किए गए सर्वोच्च बलिदान से जुड़ी ऐतिहासिक जानकारी का अवलोकन करते हुए कहा कि चंद्रशेखर आजाद का संपूर्ण जीवन साहस,

स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है। उनके आदर्श सदैव देशवासियों, विशेषकर युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने वहां प्रदर्शित ‘आजाद कथा’ का भी अवलोकन किया। उन्होंने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के जीवन, क्रांतिकारी गतिविधियों, काकोरी कांड, सांडर्स वध, हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी में उनके नेतृत्व तथा मातृभूमि की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान की गौरवगाथा को श्रद्धापूर्वक देखा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजाद कटुटिया में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के जीवन, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति उनके सर्वोच्च बलिदान का स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन देशवासियों, विशेषकर युवाओं के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने और महान क्रांतिकारियों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

यह कार्यक्रम अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्मजयंती एवं ‘बलराम कृषि महोत्सव’ के अंतर्गत गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता रही। इस अवसर पर पूरा वातावरण देशभक्ति गीतों से गुंजायमान रहा। ‘आजाद प्रेरणा मशाल यात्रा’ के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम् एवं अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद अमर रहें के गगनभेदी उद्घोषों से पूरा क्षेत्र राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया। उपस्थित जनसमूह ने उत्साह और श्रद्धा के साथ मशाल यात्रा में सहभागिता करते हुए अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम से आतप्रोत्त वातावरण ने कार्यक्रम को और अधिक भव्य, गरिमामय एवं प्रेरणादायी बना दिया। इस अवसर पर मंत्री श्री नागर सिंह चौहान, सांसद श्रीमती अनीता चौहान और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।